सोमवार को दिल्ली में एक बार फिर किसान अपनी मांग को लेकर आ रहे हैं। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग को लेकर सोमवार को सुबह 10 बजे से जंतर-मंतर पर होने वाली किसान महापंचायत को लेकर यातायात पुलिस भी चौकन्नी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 248 दिनांकः22-08-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआइ ने लुक आउट सर्कुलर जारी नहीं किया। सिसोदिया और तीन अन्य आरोपी सरकारी अधिकारियों को छोड़कर आठ आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है।

हिमाचल में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन का कहर, 22 की मौत, 6 लापता

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश आफत का सबब बन गई है यहां बीते 24 घंटे में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में एक ही परिवार के 8 सदस्यों सहित 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि लापता बताए जा रहे छह अन्य लोगों की जीवित नहीं होने की आशंका है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के निदेशक सुदेश कुमार मोख्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 10 अन्य लोग घायल हो गए हैं। मोख्ता ने कहा कि भारी बारिश के कारण सबसे ज्यादा नुकसान मंडी, कांगड़ा और चंबा जिले में हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम संबंधी 36 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

वहीं उपायुक्त अरिंदम चौधरी ने बताया कि अकेले मंडी जिले में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लापता हो गए। उन्होंने बताया कि गोहर विकास खंड के काशान गांव में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और पुलिस द्वारा चार घंटे तक चलाए गए तलाशी अभियान के बाद एक परिवार के आठ सदस्यों के शव उनके घर के मलबे से निकाले गए। उन्होंने बताया कि यह मकान भूस्खलन में ढह गया था।

उपायुक्त के मुताबिक, मंडी में शुक्रवार रात मंडी-कटोला-पराशर मार्ग पर बाघी नाले में एक लड़की का शव उसके घर से करीब आधा किलोमीटर दूर बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बाढ़ में लड़की के परिवार के पांच सदस्यों के भी बह जाने की सूचना है। उन्होंने कहा कि बादल फटने के बाद कई परिवारों ने बागी और पुराने कटोला क्षेत्रों के बीच स्थित अपने घरों को छोड़कर अन्य सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है।

मोख्ता ने बताया कि शिमला के थियोग में वाहन पर पत्थर गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि चंबा के चौवारी के बनेत गांव में तड़के करीब साढ़े चार बजे भूस्खलन के बाद मकान ढहने से से तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि कांगड़ा में एक 'कच्चा' घर ढह गया, जिसमें नौ साल के बच्चे की मौत हो गई।

इस बीच, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में शनिवार को चक्की पुल ढह जाने के बाद पठानकोट और जोगिंदरनगर के बीच रेल सेवा निलंबित कर दी गईं हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने पुल को असुरक्षित घोषित कर रखा था और पंजाब के पठानकोट से हिमाचल प्रदेश के जोगिंदरनगर तक 'नैरो गेज ट्रैक' पर ट्रेन सेवा को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर में अचानक आई बाढ़ में फंसे 30 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोगों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया और कहा कि प्रशासन प्रभावित जिलों में युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रहा है। हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य अभियंता ने कहा कि मंडी में मनाली-चंडीगढ़ राजमार्ग और शोघी में शिमला-चंडीगढ़ राजमार्ग सहित 743 सड़कों को जलभराव के कारण यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि शनिवार को 407 मार्ग पर यातायात को बहाल कर दिया जाएगा और रविवार तक 268 सड़कों पर से मलबा साफ कर दिया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि शोघी और तारा देवी के बीच सोनू बांग्ला में भूस्खलन के बाद चंडीगढ़-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए अवरुद्ध हो गया। उन्होंने कहा कि पत्थर अब भी गिर रहे हैं और शोघी-मेहली बाईपास से यातायात को परिवर्तित किया गया है। इस बीच, राज्य के कई हिस्सों में पानी और बिजली की आपूर्ति ठप हो गई है। यहां एक बैठक में राज्य के मुख्य सचिव आर.डी. धीमान ने संबंधित विभागों को सड़कों पर से मलबा साफ करने का निर्देश दिया ताकि बुनियादी जरूरतों की आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए वीडियोग्राफी कराने और प्रभावित लोगों को आश्रय देने के भी आदेश दिए। प्रमुख सचिव (राजस्व) ने मुख्य सचिव को बताया कि राज्य आपदा मोचन कोष से जिलों को 232.31 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं और राहत एवं पुनर्वास कार्य के लिए सभी जिलों के पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है। 4

जंतर-मंतर पर किसान महापंचायत के लिए किसानों का समूह बसों में टिकरी बॉर्डर तक पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। संयुक्त किसान मोर्चा अराजनैतिक की 22 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित किसान महापंचायत के लिए बड़ी संख्या में किसानों का दिल्ली पहुंचना जारी है। अलग-अलग राज्यों के किसान दिल्ली की तरफ रवाना हो चुके हैं। वहीं, कुछ किसानों का समूह बसों में टिकरी बॉर्डर तक भी पहुंच चुका है। बताया जा रहा है कि जब दिल्ली पुलिस ने इन्हें रोका तो किसान नाराज हो गए। करीब 15 मिनट तक सड़क मार्ग बाधित रहा। बताया जा रहा है कि तीन बसों में बैठकर किसान पहुंचे। टिकरी बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। सिमेंटिड बैरिकेड भी किसानों को रोकने के लिए लगाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन,बस और निजी वाहनों से दिल्ली किसान आ रहे हैं। सोमवार सुबह 10 बजे से जंतर-मंतर पर धरना शुरू होगा ।

यह एक दिन का कार्यक्रम होगा। पंचायत के समापन के बाद राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा अराजनैतिक का कहना है कि यदि सरकार किसी भी तरह का व्यवधान डालने का प्रयास करेगी तो उसके लिए सरकार स्वयं जिम्मेदार होगी।

संयुक्त किसान मोर्चा से अलग हुए ढाल्लेवाल ग्रुप के लोग जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि अभी ये साफ नहीं कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें प्रर्दशन करने की परमिशन दी है या नहीं। लेकिन पुलिस ने टिकरी बॉर्डर से लेकर जंतर-मंतर पर तमाम जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

किसान पंचायत की कई मांगे हैं, जिनमें लखीमपुर खीरी नरसंहार के पीड़ित किसान परिवारों को इंसाफ, जेलों में बंद किसानों की रिहाई व नरसंहार के मुख्य दोषी केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की गिरफ्तारी की मांग भी शामिल हैं। साथ ही स्वामीनाथन आयोग के ण्2+50ऽ फॉर्मूले के अनुसार श्एइ की गारंटी का कानून बनाया जाने की भी मांग की गई है।

सिसोदिया के खिलाफ ईडी मनी लांड्रिंग केस में दर्ज कर सकती है

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को डिप्टी सीएम के आवास पर आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर छापेमारी की थी। रविवार को उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सिसोदिया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में केस दर्ज कर सकता है। सीबीआई ने ईडी को मामले से संबंधित दस्तावेज सौंप दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने आबकारी घोटाले से संबंधित एफआईआर और अन्य दस्तावेज ईडी को सौंप दिए हैं। ऐसे में उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले सीबीआई ने डिप्टी सीएम सहित 14 लोगों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है, ताकि वे देश छोड़कर ना भाग सकें। सर्कुलर में उन सभी आरोपियों के नाम हैं जिनके खिलाफ सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की है।

हालांकि इसमें मुंबई की एंटरटनेमेंट इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के सीईओ विजय नायर का नाम शामिल नहीं है। अपने खिलाफ सर्कुलर जारी होने पर सिसोदिया भड़क गए और उन्होंने कहा कि ये क्या नौटंकी है। मैं दिल्ली में खुलेआम घूम रहा हूं, बताइए कहां आना है? उन्होंने ट्वीट कर कहा आपकी सारी रेड फेल हो गई, कुछ नहीं मिला, एक पैसे की हेरा-फेरी नहीं मिली, अब आपने लुकआउट नोटिस जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा है। ये क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं खुलेआम दिल्ली में घूम रहा हूं, बताइए कहां आना है? आपको मैं मिल नहीं रहा?

सिसोदिया ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको 2024 में जनता लुकआउट नोटिस देगी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम सोचते रहते हैं कि आज किसके खिलाफ सीबीआई का 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया जाए। आज देश को ऐसे नेता की तलाश है जो महंगाई, बेरोजगारी का समाधान दे सके। जनता उन्हें 2024 में 'लुकआउट नोटिस' देगी।

देश के कई राज्यों में भारी वर्षा योग, यूपी, मप्र और छग के कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश देखने को मिल रही है। भारी वर्षा की वजह से कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार और आगे कई इलाकों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। बंगाल की खाड़ी पर बना निम्न दबाव और प्रभावी हो गया है। इसके कारण ओडिसा, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों तेज बारिश होने का पूर्वानुमान है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कई इलाकों में भी कुछ दिन बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इसके साथ ही दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में भी वर्षा की संभावना है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज दक्षिण झारखंड, छत्तीसगढ़ और पूर्वी और मध्य मध्य प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश संभव है। आंतरिक ओडिशा, दक्षिण उत्तर प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय और विदर्भ में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक गंगीय पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरल, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, गुजरात, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा के शेष हिस्सों में हल्की बारिश संभव है। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में एक या दो जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने पश्चिम यूपी से लेकर पूर्वांचल, अवध और बुंदेलखंड के करीब 40 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच पहाड़ों पर हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। अब भारी बारिश के बाद बाढ़ का खतरा भी कई जिलों में मंडरा रहा है।

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा की बेटी ने डॉक्टर को थप्पड़ मारा मुख्यमंत्री ने माफी मांगी

आइजोल (ईएमएस)। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा की बेटी ने एक डॉक्टर को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने खुद सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। बताया जा रहा है कि राजधानी आइजोल में एक क्लिनिक के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ने मुख्यमंत्री की बेटी मिलारी छंगटे को बिना अपॉइंटमेंट के देखने से मना कर दिया था। डॉक्टर ने मुख्यमंत्री की बेटी को परामर्श के लिए क्लिनिक आने से पहले मिलने का समय लेने को कहा था। घटना बुधवार की है।

वायरल हुए घटना के वीडियो में मुख्यमंत्री की बेटी को डॉक्टर के पास जाते हुए और चेहरे पर थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है, इसके बाद वहां मौजूद अन्य लोग उसे रोकने की कोशिश करते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की मिजोरम इकाई ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। वहीं डॉक्टरों ने काम करने के समय काला बिल्ला पहने रखा।

इसके बाद मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के माध्यम से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। अपने पोस्ट में अपलोड किए गए हाथ से लिखे नोट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आइजोल स्थित त्वचा विशेषज्ञ के साथ अपनी बेटी के दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं। साथ ही कहा कि वह किसी भी तरह से उसके आचरण को सही नहीं ठहराएंगे।

चक्रवाती तूफान की चपेट में आए 27 बांग्लादेशी मछुआरों को इंडियन कोस्ट गार्ड ने बचाया

कोलकाता (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी में आए एक भीषण चक्रवाती तूफान में बांग्लादेश के कई मछुआरे फंस गए। जानकारी के मुताबिक कई मछली पकड़ने वाली नावों पर सवार मछुआरों को बचाने के लिए इंडियन कोस्ट गार्ड पिछले दो दिनों से मैराथन अभियान चला रहा है। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आज 17 और बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया। इससे एक दिन पहले 10 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया गया था। बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और तूफानी समुद्र के बीच एक ही दिन में शुरू किए गए 3 अलग-अलग अभियानों में अब तक 27 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया गया है।

एक खबर के मुताबिक भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने शनिवार को बंगाल की खाड़ी से 10 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया था। भारतीय तटरक्षक जहाज अनमोल ने पिछले दो दिनों से जारी एक ऑपरेशन में बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबी) से 12 समुद्री मील की दूरी पर बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया। लापता बांग्लादेशी मछुआरों की तलाश के लिए कोस्टगार्ड के जहाजों और विमानों को लगाया गया है।

इसके साथ ही स्थानीय मछुआरों और मत्स्य अधिकारियों के सहयोग से एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव के चालक दल के 18 सदस्यों को भी सुरक्षित बचाने का काम किया गया है। ये सभी मछुआरे 19 अगस्त से शुरू हुए चक्रवाती मौसम में फंस गए थे। आईसीजी जहाज अनमोल ने शनिवार की सुबह भंगदुनी द्वीप के पास 10 बांग्लादेशी मछुआरों को देखा था। उन्हें बचाने के बाद प्राथमिक उपचार दिया गया और भोजन और पानी मुहैया कराया गया।

बचाए गए मछुआरों ने कोस्टगार्ड को बताया कि वे 16 अगस्त को मोंगला से निकले थे और बाद में चक्रवाती तूफान में फंस गए थे। 12 मछुआरों के साथ उनकी नाव 19 अगस्त को चल रही तेज हवाओं के कारण पलट गई। बचाए गए मछुआरों को आगे की औपचारिकताओं के लिए हल्दिया लाया जा रहा है, ताकि उन्हें वापस बांग्लादेश को लौटाया जा सके।

'डोलो 650' को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सकों को 1,000 करोड़ रुपये के उपहार देने संबंधी आरोप निराधार - माइक्रो लैब्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। दवा कंपनी माइक्रो लैब्स ने अपनी दवा 'डोलो 650' को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सकों को 1,000 करोड़ रुपये के उपहार देने संबंधी आरोपों को निराधार बताया है। एक गैर सरकारी संगठन ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बेंगलुरु की दवा कंपनी पर चिकित्सकों को 1,000 करोड़ रुपये के उपहार देने के आरोप लगाए हैं जिससे कि वे मरीजों को बुखार और शरीर के दर्द की रोकथाम में इस्तेमाल होने वाली यह दवा लिखें।

माइक्रो लैब्स के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मीडिया में आई कुछ खबरों में ऐसा निराधार आरोप लगाया गया है कि 'डोलो 650' को बढ़ावा देने के लिए कंपनी ने एक साल में 1,000 करोड़ रुपये के मुफ्त उपहार वितरित किए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह दावा पूरी तरह से भ्रामक है और इससे माइक्रो लैब्स, दवा उद्योग और चिकित्सकों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है।

'डोलो 650' की सालाना बिक्री 360 करोड़ रुपये रही है, जो कंपनी की कुल बिक्री का करीब आठ प्रतिशत है। प्रवक्ता ने कहा कि 'डोलो 650' जैसे किफायती विकल्प के साथ, देश भर के चिकित्सक महामारी में महंगी एंटीवायरल और अन्य दवाओं का सहारा लिए बिना अपने अधिकांश रोगियों को ठीक कर पाए।

प्रवक्ता ने कहा कि एक हजार करोड़ रूपये के मुफ्त उपहारों का वितरण करने की बात ही बेतुकी है। उन्होंने कहा, ''कंपनी स्पष्ट करना चाहती है कि जिस राशि के बारे में बात हो रही है वह पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में कंपनी के समूचे कारोबार में कुल बिक्री और विपणन व्यय से संबंधित है।''

प्रवक्ता ने कहा कि चिकित्सकों ने यह दवा इसकी गुणवत्ता, बुखार से जल्द राहत और तीन दशक से भी अधिक समय में बनाए गए भरोसे के आधार पर लिखी है।

राहुल का इनकार सोनिया बीमार प्रियंका का रिकॉर्ड बेकार गैर-गांधी का कांग्रेस अध्यक्ष बनना तय

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव नजदीक आ रहा है। हालांकि, अभी तक पार्टी के शीर्ष पद के लिए नाम को लेकर चर्चाओं का दौर थमा नहीं है। खबर है कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी फिर से कमान संभालने के मूड में नहीं हैं। वहीं, मौजूदा अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नाम पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसे लेकर सवाल बरकरार है कि पार्टी का नया अध्यक्ष गांधी परिवार से ही होगा या नहीं। शीर्ष पद स्वीकार करने के लिए राहुल को मनाने के लिए की जा रही कोशिशें असर नहीं दिखा रही हैं। वह अपने पार्टी सदस्यों की अपीलों को खारिज कर रहे हैं। वहीं, खबर है कि सोनिया गांधी ने भी स्वास्थ्य के चलते पार्टी अध्यक्ष पद पर लौटने की संभावनाओं से इनकार कर दिया है। इसके अलावा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम भी दौड़ में माना जा रहा था। दरअसल, सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के कई नेता गांधी को ही अध्यक्ष बनाना चाहते हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद समीकरण बदल सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भक्त चरण दास ने बताया, 'हां, उन्होंने (राहुल गांधी) ने कहा है कि उन्हें दिलचस्पी नहीं हैं, लेकिन हम इसपर काम कर रहे हैं और उनसे पद संभालने का अनुरोध कर रहे हैं। नहीं तो उन्हें हमें बताना होगा कि यह पद कैसे भरा जाएगा।' इधर, राहुल सितंबर में कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ों यात्रा' निकालने की तैयारी में हैं। खास बात है कि चुनावों में लगातार हो रही हार और बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ रही हैं। वहीं, गुलाम नबी आजाद जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी नेतृत्व पर सवाल कर चुके हैं। अब अगर गांधी परिवार से कोई अध्यक्ष पद नहीं संभालता है, तो यह पहली बार होगा जब साल 1998 के बाद कोई गैर-गांधी अध्यक्ष बनेगा। खबरें हैं कि चीफ के तौर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई वरिष्ठ नेताओं का नाम चर्चा में है।

ठाकरे बंधू के एक साथ आने की संभावना से महाराष्ट्र की राजनीति में फिर आ सकता है भूचाल

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में सबसे चर्चित सवाल यह है कि मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे कब साथ आएंगे? जब से राज ठाकरे ने अलग पार्टी बनाई है, राज्य भर के लोगों ने महसूस किया है कि ठाकरे भाइयों को एकजुट होना चाहिए। खासकर शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के निधन के बाद लाखों शिवसैनिकों और मन सैनिकों की यही भावना है। लेकिन यह फैसला दोनों भाइयों और महाराष्ट्र के दोनों पार्टी प्रमुखों का फैसला है। यह फैसला वे ही ले सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र की सियासत में कई अजीबो गरीब चीजें देखने को मिली हैं. इसलिए महाराष्ट्र के लोगों को लगने लगा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ भी हो सकता है. इसका एक हिस्सा जनता की भावना है कि ठाकरे परिवार को एक साथ आना चाहिए। जब राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने एक सांकेतिक बयान दिया। शर्मिला ठाकरे ने कहा कि उद्धव और राज दोनों भाई एक साथ आ जाएं तो फायदा होगा। देखते हैं कि क्या वे सहमत होते हैं। शर्मिला ठाकरे ने ऐसा बयान दिया है और कहा है कि उन्होंने ठाकरे परिवार को फिर से मिलाने की कोशिश की है. लेकिन अब देखना होगा कि उद्धव ठाकरे इस बारे में क्या फैसला लेते ? बहरहाल राज-उद्धव के एक साथ होने को लेकर शर्मिला ठाकरे के बयान ने राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दिया है। महाराष्ट्र के दो बड़े नेता जो भाई हैं, एक साथ आते हैं, उनका महाराष्ट्र की राजनीति पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। अगर हम कहें कि इससे महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ जाएगा तो यह गलत नहीं होगा। क्योंकि राज ठाकरे युवाओं के बीच काफी प्रभाव रखते है। उद्धव ठाकरे जहां राज्य के परिवार के मुखिया हैं, वहीं आम लोगों के बीच उनकी एक साधारण व्यक्ति की छवि है। इस बीच, शिवसेना नेता अंबादास दानवे ने शर्मिला ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भविष्य में क्या होता है। अंबादास दानवे ने स्पष्ट बयान दिया है कि मौजूदा स्थिति में इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।

राकेश टिकैत को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। लखीमपुर खीरी से दिल्ली आ रहे किसान नेता राकेश टिकैत को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। राकेश टिकैत ने ट्वीट कर के यह जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट में कहा है कि 'सरकार के इशारे पर काम कर रही दिल्ली पुलिस किसानों की आवाज को नहीं दबा सकती। यह संघर्ष अंतिम सांस तक जारी रहेगा।' राकेश टिकैत अपने कुछ समर्थको के साथ दिल्ली जाना चाहते थे लेकिन दिल्ली पुलिस ने मना कर दिया जिसके बाद टिकैत समर्थक सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे जिसके बाद दिल्ली पुलिस सभी को मधु विहार पुलिस एसीपी दफ्तर लेकर गई है। एक वीडियो संदेश में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि क्या दिल्ली में किसानों का प्रवेश बैन है? उन्होंने कहा कि क्या कोई हरा गमछा और चद्दर ओढ़ कर दिल्ली में जा नहीं सकता? राकेश टिकैत ने वीडियो संदेश में बताया है कि वो जंतर-मंतर में हो रहे आंदोलन में जा रहे थे। वहां बेरोजगारी पर आंदोलन चल रहा था। राकेश टिकैत आगे कहते हैं कि वो कोई भी पॉलिटिकल आंदोलन नहीं है और ना ही मेरे बैनर में हो रहा है।

छोटा व्यापार शुरू करने बिना गारंटी लोन दे रही है सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार देश में छोटे उद्योग या व्यापार को शुरू करने के लिए कई तरह की योजना चलाकर लोगों की मदद कर रही है। खासकर सरकार का ध्यान ऐसे छोटे व्यवसायियों पर अधिक है, जिनका कारोबार कोरोना महामारी वजह से ठप हो गया था। ऐसे लोगों के लिए सरकार नाम से एक योजना चला रही है। इसके तहत छोटे व्यापार को शुरू करने के लिए लोन प्रदान किया जा रहा है। सरकार ने इस योजना को खास तौर पर स्ट्रीट वेंडर्स के लिए शुरू किया है, जिनका व्यापार कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गया था। इस योजना के तहत व्यापार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपए का लोन बिना किसी गारंटी के मिलता है. इसके लिए आपको कुछ भी गिरवी नहीं रखना पड़ता। अगर आप एक बार लोन का पैसा चुका देते हैं, तो आप दोगुनी रकम के लोन लेने के लिए योग्य हो जाते हैं। कारोबार शुरू करने के लिए पहली बार 10 हजार रुपए का लोन लिया और उसे समय से चुका दिया, तो अगली बार आप 20 हजार रुपए का लोन ले सकेंगे। इसी तरह तीसरी बार में आप 50 हजार रुपए का लोन ले सकते हैं। आवदेन मंजूर होने के बाद लोन की रकम तीन बार में आपके खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत ली गई लोन की राशि को एक साल की अवधि में चुकाया जा सकता है। हर महीने किश्तों में लोन की राशि को चुका सकते हैं।

काट्सा पर भारत के लिए झुका अमेरिका, सामने आई रूस की कमजोरी : दिमित्री सुगाएव

मॉस्को (ईएमएस)। काट्सा से भारत को मिली छूट को लेकर रूस ने अमेरिका पर सवाल उठाया है। रूस ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका द्वारा लिए गए इस फैसले ने अमेरिका की कमजोरी जाहिर कर दी है। खास बात है कि पश्चिम के कड़े प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस के हथियार निर्यात मामले में भुगतान खासे प्रभावित हो रहे हैं। रूस ने इन प्रतिबंधों पर भी सवालिया निशान लगाए हैं। रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि एस 400 खरीद के लिए भारत को प्रतिबंधों से राहत देना अमेरिका की कमजोरी को दिखाता है।

अमेरिका में हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव ने उस संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत को काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स एक्ट यानी काट्सा के तहत प्रतिबंधों से जुलाई में छूट दी गई थी। रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कॉपरेशन (एफएसएमटीसी) के प्रमुख दिमित्री सुगाएव ने कहा, भारत और रूस के बीच एस-400 की सप्लाई के लिए हुए कॉन्ट्रैक्ट को अमेरिका ने रूसी हथियारों के के खिलाफ लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया था।

अमेरिकी पक्ष ने किस वजह से अपना फैसला बदला? मुझे नहीं पता लेकिन संभावनाएं हैं कि इसकी वजह उनकी कमजोरी है। इसी सिस्टम को लेकर तुर्की पर प्रतिबंध लगाए गए थे। रूसी निर्यात की देखरेख करने वाले सुआगेव ने कहा पश्चिमी प्रतिबंध अनुचित कारोबार के बराबर हैं। साथ ही यह 'स्वतंत्र राष्ट्रों के अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के संप्रभु अधिकार का हनन है। प्रतिबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि नया उत्पादन और लॉजिस्टिकल चेन स्थापित की गई हैं। खबरें थी कि पश्चिम की तरफ से लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते भुगतान प्रक्रिया मुश्किल हो गई थी।

मखाना को मिला जीआई टैग खुशी से झूम उठा मिथिलांचल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने मिथिला मखाना को जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग से सम्मानित किया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर कहा कि मिथिला मखाना जीआई टैग में पंजीकृत हो गया है। इससे मिथिला क्षेत्र के पांच लाख किसानों को लाभ मिलेगा और कमाई भी अधिक हो सकेगी। जीआई पंजीकरण के लाभों में उस वस्तु की कानूनी सुरक्षा, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग के खिलाफ रोकथाम और निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है। जीआई मुख्य रूप से एक प्राकृतिक या निर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक सामान) है जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होता है, को दिया जाता है। आमतौर पर ऐसा नाम गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है, जो इसके मूल स्थान के कारण होता है। मिथिला के मखाना को 'मिथिला मखाना' नाम से जीआई टैग मिलने की सूचना से लोगों में हर्ष है। शनिवार को सोशल माडिया पर यह खबर फैलते ही लोग एक-दूसरे को फोन कर इसकी जानकारी लेने लगे। मिथिला के लोगों को लंबे समय से इसका इंतजार था। इस संबंध में पूछे जाने पर शहर के दिल्ली मोड़ स्थित मखाना अनुसंधान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. मनोज ने कहा कि इस संबंध में गत आठ नवंबर को ऑनलाइन बैठक हुई थी। उस बैठक में मैं भी शामिल था। बैठक के बाद मुझे लगने लगा था कि मखाना को जीआई टैग मिलने की घोषणा किसी भी दिन हो सकती है। अब आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा कर दी गयी है। डॉ. मनोज ने कहा कि 'मिथिला मखाना' नाम से जीआई टैग मिलने से मिथिला क्षेत्र के मखाना उत्पादकों और व्यवसायियों को काफी फायदा होगा। बता दें कि मखाना को जीआई टैग दिलाने के लिए दरभंगा जिले से भी जोरदार आवाज उठी थी। स्थानीय मखाना उत्पादकों के अलावा सांसद गोपाल जी ठाकुर, पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और झंझारपुर के विधायक नीतीश मिश्रा और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इसे लेकर जोरदार आवाज उठायी थी। इनका कहना था कि मखाना का 90 प्रतिशत उत्पादन मिथिला क्षेत्र में होता है इसलिए इसका जीआई टैग 'मिथिला मखान' नाम से होना चाहिए। इस संबंध में विधायक नीतीश मिश्रा ने कहा कि जीआई टैग की घोषणा से अब सभी तरह के संशय दूर हो गए हैं। अब पूरे विश्व में जहां भी मखाना जाएगा, वहां मिथिला का नाम रहेगा। मिथिला के लोगों के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। जीआई टैग मिलने से मखाना पर मिथिला का जो एकाधिकार था, वह कायम रह गया है।

जन हितैषी

टला नहीं है खतरा

पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों में यह धारणा बनने लगी थी कि अब खतरा टल गया है। यही वजह रही कि अपनी ओर से संक्रमण से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर लोग लापरवाही या उदासीनता बरतने लगे, जबकि तथ्य यह है कि इस विषाणु के फैलने से रोकने के लिए जो उपाय लागू किए गए थे, उन्हीं के बूते संक्रमण के खतरे को कम किया जा सका था। अब कोरोना वायरस महामारी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने एक बार फिर से सख्त चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा कि हमें यह दिखावा नहीं करना चाहिए कि कोरोना हमारे बीच नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें अभी भी खुद को बचाने की जरूरत है। डब्लूएचओ प्रमुख की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब फिर से एक बार कोरोना के चलते मौतों में वृद्धि देखी गई है। खुद भारत में कोरोना के मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है। टेड्रोस ने कहा, हम यह दिखावा नहीं कर सकते कि यह (कोविड-19) अब हमारे बीच मौजूद नहीं है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, कोविड-19 के साथ जीना सीखने का मतलब यह नहीं है कि हम दिखावा करते फिरें कि कोरोना अब मौजूद नहीं है। हमें अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा के लिए करते रहना होगा। दुनिया भर में चार हफ्तों में कोविड-19 से संबंधित मौतों में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि भारत में सरकार का कहना है कि नए मामले अभी हल्की प्रकृति के हैं, इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी के लिए सरकार ने बचाव के उपायों को लेकर नियम-कायदों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। दिल्ली में मास्क नहीं लगाने पर अब फिर 500 रुपए का जुर्माना देना होगा। अब अगर बचाव के उन्हीं उपायों को लोग ताक पर रख कर अपना व्यवहार तय कर रहे हैं तो उसका नतीजा क्या हो सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही कुछ वक्त की दिखने वाली राहत के बाद अब एक बार फिर विषाणु के संक्रमण की ताजा रफ्तार ने आम लोगों से लेकर सरकार तक की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर पर दिल्ली में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों से यही पता चलता है कि लोगों की यह धारणा गलत थी कि अब संक्रमण रुक गया है और इसे लेकर बहुत ज्यादा फिक्रमंद होने की जरूरत नहीं है। जबकि शुरू से इस विषाणु और इसके अलग-अलग बहुरूप ने अपने संक्रमण को लेकर कोई स्थिर रवैया नहीं अपनाया। जाहिर है, हाल के दिनों में फिर से इस विषाणु ने आक्रामक रवैया अख्तियार करना शुरू कर दिया है। दरअसल, इस बार कोरोना के ओमिक्रान बहुरूप के नए उप-रूप बीए2.75 की वजह से संक्रमण की रफ्तार बढ़ी है। यानी हर कुछ समय बाद इसके स्वरूप में बदलाव आया है, जिसकी वजह से इससे निपटने को लेकर अतिरिक्त सजगता की जरूरत है। आज यह नहीं कहा जा सकता है कि इस विषाणु के फैलने की कोई एक प्रकृति है और सिर्फ उसी को लेकर सावधान होना चाहिए। पहले यह जरूर कहा गया था कि कोरोना का टीका लोगों को इसके संक्रमण से सुरक्षा देगा, लेकिन इस विषाणु के फैलने की बदलती प्रकृति ने यह बताया है कि अगर टीका लेने वाले लोग भी बचाव के उचित उपायों को लेकर ढीला रुख अख्तियार करते हैं तो उनके फिर से कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका बनी रहेगी। अमूमन हर जगह इसकी प्रकृति ने दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सामने एक जटिल चुनौती पेश की है। चूंकि अभी भी इसका कोई कारगर और अंतिम इलाज नहीं खोजा जा सका है, इसलिए फिलहाल इससे बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता ही इसका सामना करने का एक अहम तरीका है।

मौत का पर्याय बनते जीवन रक्षक अस्पताल

हमारे देश में इन दिनों स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ 'अमृत महोत्सव ' के रूप में मनाने की ज़ोरदार तैय्यारी चल रही है। हर घर तिरंगा - घर घर तिरंगा फहराने का राष्ट्रव्यापी अभियान पूरे देश में सरकारी स्तर पर भी चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 31 जुलाई को अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 91वें एपिसोड में देश के लोगों से तिरंगा फहराने के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बनने की न केवल अपील की बल्कि इसके अनेक उपाय भी सुझाये। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को यह भी बताया कि वे किस तरह फ़ेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे अपने एकाउंट्स हैंडल्स पर अपनी डीपी बदलकर तिरंगा झण्डा को डी पी के तौर पर लगाकर तिरंगा फहराने के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बनें। उन्होंने यहाँ तक कहा कि देशवासी 13 अगस्त से 15 तक घर घर तिरंगा अभियान को एक जन आंदोलन का रूप दें। देश में फैली भयंकर मंहगाई, बेरोज़गारी, साम्प्रदायिकता, जातिवाद, अनिश्चितता के वर्तमान दौर में जबकि अमेरिकी डॉलर के मुक़ाबले भारतीय रुपया रिकार्ड स्तर तक गिर चुका है। प्रतिभाशाली भारतीय युवा स्वतंत्र भारत के इतिहास में रिकॉर्ड स्तर पर देश से पलायन कर अपने सुरक्षित भविष्य की तलाश में विदेशों में जा रहे हों, तमाम विदेशी उद्योग धंधे भारत से अपना कारोबार समेट कर दूसरे देशों का रुख़ कर रहे हों, इन हालात में अनेक सत्ता विरोधी दल व इनके नेता तिरंगा फहराने के राष्ट्रव्यापी अभियान पर सवाल भी खड़ा कर रहे हैं।

इधर 31 जुलाई को प्रधानमंत्री की देशवासियों से तिरंगा झंडा फहराने की अपील मन की बात में प्रसारित होती है उधर इसके अगले ही दिन मध्य प्रदेश के जबलपुर में दमोह नाका शिवनगर स्थित न्यू लाइफ़ मल्टी स्पेशलिटी नामक एक निजी अस्पताल में भीषण आगज़नी की घटना दरपेश आती है। ख़बरों के अनुसार इस हादसे में अब तक 10 लोगों के आग से झुलसकर मरने तथा लगभग आधा दर्जन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। समाचार यह भी है कि अपनी जान गंवाने वाले लोगों में ज़्यादातर अस्पताल स्टाफ़ के वह लोग हैं जो मरीज़ों के लिये किसी भगवान से कम नहीं समझे जाते। और यह वही वर्ग भी है जिसके सम्मान में कोरोना काल में प्रधानमंत्री ने पूरे अस्पतालों में बैण्ड बजवाकर इनके साहस, मेहनत व तपस्या को सराहा था। अस्पताल में ज़िंदा जलने वाला यह उसी स्टाफ़ का हिस्सा था जिनपर सेना के हैलीकॉप्टर्स ने पुष्प वर्षा की थी। जबलपुर के इस न्यू लाइफ़ मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में हुए अग्निकांड के विषय में भी वही बताया गया जो प्रायः अधिकांश आग लगने की घटनाओं के लिये बताया जाता है। यानी यह आग भी बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी जो कि ग्राउंड फ़्लोर से शुरू होकर तीसरी मंज़िल तक बहुत तेज़ी से फैल गई। इसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आगज़नी की इस घटना पर दुख जताया और जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को 5-5 लाख रुपये की मदद दिये जाने तथा गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हज़ार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के संपूर्ण इलाज का ख़र्च राज्य सरकार द्वारा किये जाने का भी वादा किया। पहले भी इस तरह की घटनाओं के बाद राज्य सरकारें इसी तरह की घोषणायें कर अग्निकांड प्रभावित परिवारों के आंसू पोछने का प्रयास करती रही हैं।

परन्तु स्वतंत्रता के इस अमृत महोत्सव काल में जब हर घर तिरंगा फहराने की अपील न केवल सरकारी बल्कि प्रधानमंत्री स्तर पर की जा रही हो क्या यह पूछा जाना प्रासंगिक नहीं है कि देश की जिस जनता को सब्ज़ बाग़ दिखाकर यह जताया जा रहा हो कि 'सब कुछ चंगा है ', हम विश्व की पांच बड़ी महाशक्तियों को पछाड़ते हुए एक बार फिर विश्वगुरु बनने जा रहे हैं, आख़िर उस देश में अस्पतालों में अपना इलाज कराने व वहां से स्वस्थ होकर वापस आने की आस रखने वाले लोगों की अगर ज़िंदा जलकर मौत होने लगे, तो देश के लिये इससे दुखद व भयानक और क्या हो सकता है? जिस अस्पताल स्टाफ़ पर फूल बरसाये जायें, जिनकी शान में थाली, ताली, चम्मच व कड़छी खड़काई जायें और उसी स्टाफ़ की जान अपने ही अस्पतालों में असुरक्षित हो इससे बड़ा दुर्भाग्य व त्रासदी और क्या हो सकती है?

कभी गुजरात के भरूच में कोविड अस्पताल में आग लग जाने से आईसीयू में भर्ती क़रीब 20 कोरोना मरीज़ों की जलने से मौत हो जाती है और मुख्यमंत्री मुआवज़े का एलान कर अपना फ़र्ज़ पूरा कर बैठते हैं। 26 अप्रैल 2021 को गुजरात के सूरत मे आयुष अस्पताल की पांचवीं मंज़िल पर स्थित आइसीयू में शॉर्ट-सर्किट के चलते आग लगती है तो कभी महाराष्ट्र के डा. ज़ाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक होता है । इसे रोकने के लिए मरीज़ों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कुछ समय के लिए रोक दी गई। इसके कारण वेंटिलेटर के सहारे चल रहे 24 कोरोना मरीज़ों की जानें चली गयीं । इनमें 11 महिलाएं और इतने ही पुरुष शामिल थे। इसी तरह 10 जनवरी 2021 को महाराष्ट्र के भंडारा ज़िले के जनरल अस्पताल की स्पेशल न्यू बॉर्न केयर यूनिट में लगी आग में 10 नवजात शिशु की मौत हो गयी । यह आग भी शार्ट-सर्किट के कारण लगी बताई गयी थी। इसके अलावा 26 मार्च को मुंबई के भांडुप उपनगर स्थित ड्रीम्स माल में चौथी मंज़िल पर चल रहे कोविड विशेष अस्पताल में आग लगने से 10 रोगियों को जान गंवानी पड़ी। इसी तरह 17 अप्रैल 202 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कोरोना सेंटर में अचानक लग गयी थी। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। ऐसी अनेकानेक घटनायें हमारे देश में आये दिन होती ही रहती हैं। परन्तु अफ़सोस कि हम इस अमृत महोत्सव काल तक भी जनता को शत प्रतिशत सुरक्षित अस्पताल देने की स्थिति में नहीं पहुँच सके।

सरकार की प्राथमिकता तो यह होनी चाहिये कि जिन देशवासियों से वह घर घर झण्डा फहराने की अपील कर स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में भागीदारी करने के लिये आह्वान कर रही है उन्हीं देशवासियों को शत प्रतिशत सुरक्षा प्रदान कर उन्हें यह विश्वास भी दिलाये कि स्वतंत्रता के इस अमृत महोत्सव काल में देशवासी तथा देश के सभी अस्पताल पूर्णतः सुरक्षित हैं। सुरक्षा के जितने भी मानक हों उन्हें देश के प्रत्येक अस्पतालों में सुनिश्चित किया जाये अन्यथा अस्पतालों के लाइसेंस रद्द किये जायें। ज़ाहिर है यदि किसी भी अस्पताल में आगज़नी की घटना में किसी मरीज़ या अस्पताल स्टाफ़ की जलकर मौत होती है तो उसका ज़िम्मेदार मरीज़ या स्टाफ़ तो हरगिज़ नहीं? फिर आख़िर व्यवस्था की लापरवाही या अनदेखी अथवा कामचोरी का ख़मियाज़ा यह लोग क्यों भुगतें? अस्पतालों को तो जीवन रक्षक बनना चाहिये न कि मौत का पर्याय? (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

अमृत महोत्सव भारत का नया स्वरूप उजागर करेगा!

देश को आजाद हुए 75 वर्ष होने जा रहे है । देश आजादी की 75वीं वर्षगाठ पर अमृत महोत्सव भी मनाने जा रहा है जिसपर हर घर पर तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया है। सरकार के इस निर्णय से देश तिरंगामय नजर आयेगा। पर इन 75 वर्ष में जो कुछ नजर आ रहा वह सभी के सामने है जहां हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पहले से ही विकास के गीत की धुन सुनाई देने लगी है। देश में किस तरह का विकास हुआ कि आज फिर से आजादी की जंग शुरू हो गई है। भ्रष्टाचार के चरण दिन पर दिन देश की अस्मिता को दबाते जा रहे है। महंगाई आम जन को लीलती जा रही हैं। संसद मे कोई चप्पल फेंक रहा है तो कोई अपमानित घुट पी रहा है, तो कोई संसद में चर्चा के दौरान खराटें लेकर , उलूल जूलूल बातें कर , संसद छोड़कर संसद का कीमती वक्त बर्बाद कर रहा है। महंगाई बढ़ती जा रही है, आतंकवाद से देश परेशान है। देश का धन विदेशी बैंक की शोभा बढ़ा रहा है। देश में विकास कम नाम विदेशियों को बुलाने एवं उनके हाथ सबकुछ सौंपने की तैयारी चल रही है। देश के उद्योग धंधे धीरे - धीरे बंद होते जा रहे हैं। देश की प्रतिभा का पलायन जारी है। टैक्स का दायरा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। वायु को छोड़ आज सभी चीजों पर एक नहीं अनेक प्रकार का टैक्स यहां आम जन को चुकाना पड़ रहा है जहां आय छोटी लगने लगी है। अब तो मकान मालिक के साथ -साथ किराये में रहने वालों को भी 18 प्रतिशत जीएसटी देने की बात सामने आरही है। आज यहां हर आम आदमी टैक्स से परेशान है । दूसरी ओर जनता के सेवक कहे जाने वाले जन प्रतिनिधि आराम जीवन व्यतीत करने वाले वेतन भोगी हो चले है। इनक भत्ते एवं इनकी सुविधाओं में दिनदुनी रात चौगनी वृद्धि होती जा रही है। एक तरफ देश की आवाम टैक्स के भार तले दबती जा रही है, महंगाई से पीस रही है तो दूसरी ओर जनतंत्र के रखवाले सुख सुविधा बटोरने में मशगूल है। संसद में चर्चा होती है, बहस होती है, और फिर पूर्व की तरह सबकुछ यथावत दिखने लगता है। जैसे अभी संसद में महंगाई को लेकर जिस तरह विपक्ष की आवाज अनसुनी की जा रही है ,देश में विपक्ष की भूमिका नगण्य हो चली है। इस तरह के हालात में समस्या कैसे हल होगी, विचारणीय मुद्दा है।

भ्रष्टाचार के कदम बढ़ते ही जा रहे है। इस मामले को लेकर अभी तक जो कार्यवाही प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सामने आ रही है, भ्रष्टाचार की एक नई तस्वीर उजागर कर रही है जबकि यह कार्यवाही अभी तक एकतरफा ही दिखाई दे रही है। जब यह निष्पक्ष रूप से सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कार्यवाही देश के सभी जननेताओं की होगी तो पता चलेगा कूंए में कितनी भांग घुली है। इस तरह के अनेक उदाहरण यहां मिल जाएंगे जहां आजादी के वास्तविक परिवेश पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे है। क्या इन्हीं हालातों के लिये देश के लोगों ने कुर्बानियां दी। आज फिर से आजादी की बात उभरने लगी है।

यह अच्छी बात है कि देश आजादी की 75वी वर्षगाठ जिस रूप में मनाने जा रहा है हर भारतीय के दिल में आजादी की अलख जगेगी एवं आजादी के लिये दी गई कुर्बानियां की नई यादगार नई अलख जगायेगी। इस अमृत महोत्सव की अलख एक ऐसे नये भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये जहां भ्रष्टाचाररहित भारत की नई दिशा एवं दशा का स्वरूप उजागर हो सके। जहां देश की रक्षा की अलख हर भारतीय के दिल में ऐसी जगे जहां शुद्ध राजनीतिक वातावरण में भारत का नवनिर्माण हो सके। अमृत महोत्सव उपरोक्त दोष रहित नव भारत का नया स्वरूप उजागर करने में सफल अभियान होगा। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7384

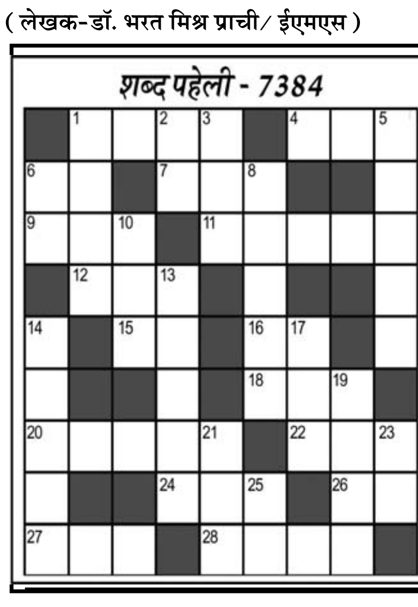

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित,संरक्षित-4
4. उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार,प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट,तश्तरी-3
15. रहस्य,भेद-2
16. जी,चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल,टोंटी-3
24. देवर्षि,देवमुनि-3
26. गुप्तचर,जासूस-2
27. गमन,विदा होना-3
28. ईश्वर,रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्‌चरित्रता-3
2. इच्छा,मर्जी-2
3. अंधकार,अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल,कीमत,दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार,अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम,नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत,भाव-2

शब्द पहेली -7383 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हिंदू-मुस्लिम ,धर्म, जात-पात बनाम भगवान का अपमान?

मानव समाज की सहायता के लिए हिंदुओं को भी बिना किसी भेदभाव के आगे आना चाहिए। आजादी के 75 साल बाद भी यह भेद भाव बना हुआ है। सत्ता का आचरण वही है। जो 2000 हजार साल पहले बना हुआ था। ऐसे में धार्मिक आधार पर ज्यादा लंबे समय तक सत्ता कर पाना किसी भी सत्ताधारी के लिए संभव नहीं है। इतिहास से सबक लेने की जरूरत है। जनता को भी अपने अधिकारों और कर्तव्यों के लिए सजग रहने की जरूरत है। ताली दोनों हाथ से बजती है। आम जनता शोषण को बर्दाश्त करती है। इसलिए शोषण बढ़ता ही जाता है। शोषण का विरोध करने पर शोषक अपनी परिधि में रहने के लिए विवश होता है। आम जनता की सबसे बड़ी ताकत उसकी भूख होती है। भोजन प्राप्त करने और अपने जीवन को बचाए रखने की ताकत समय-समय पर सत्ता से ज्यादा ताकत के रूप में प्रकट होती रही है। 1917 की जार क्रांति हो या हाल ही का श्रीलंका में हुई, बगावत को ध्यान में वर्तमान सत्ता को भी रखना होगा।

भगवान कृष्ण ने गीता में अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा था। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गो?स्त्वकर्मणि? कर्म का फल हर जीव को समय आने पर भोगना ही पड़ता है। कर्म का फल मिलता ही है। इसको टालना भगवान के बस में भी नहीं है। हिंदू धर्म में पुनर्जन्म और कर्म फल की अवधारणा सभी धर्म ग्रंथों में है। कर्म का फल ही एक ऐसा फल है, जो किसी दूसरे व्यक्ति को ना तो दिया जा सकता है, नाही इससे बिना फिलत मुक्त हुआ जा सकता है।

धर्म आचरण में धारण करना होता है। हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई, जैन, सनातन धर्म में किसी का जन्म नहीं होता है। धर्म-धारण कर उसके अनुरूप आचरण करना ही धार्मिक बनाता है। वर्तमान में जिस कुल में जन्म हुआ है उसी को धर्म मान लिया जाता है।

जन्म और मृत्यु में किसी का कोई वश नहीं होता है। कर्म फल के अनुसार जन्म होता है। जन्म किस धर्म, किस कुल में होगा, कहां होगा, इसका निर्धारण कर्म फल के आधार पर ईश्वर के विधि-विधान में ही संभव है। ऐसी स्थिति में यदि जात-पात और धर्म के आधार पर हम किसी के साथ भेद-भाव करते हैं। तो यह एक तरह से ईश्वरीय विधि-विधान का अपमान ही होगा। प्रत्येक धर्म में किस तरह का आचरण करना चाहिए। यह उनके धर्मग्रंथों पर बताया गया है। पुराण, कुरान, गुरुग्रंथ साहब इत्यादि में धर्म के मूल सिद्धान्त है। मानव जीवन में हम उसके अनुसार आचरण नहीं करके, जिस धर्म में जन्म लिया है। उसी से जुड़कर अपने आपको उस धर्म का मान लेते हैं। यह सही नहीं है। धार्मिक आधार पर यदि अपने जीवन में नैतिक और धार्मिक को आचरण के नित्य जीवन में धारण करेंगे। तो निश्चित रूप से आप धार्मिक होंगे। आपके कर्म फल भी अच्छे होंगे। जो आपके आने वाले जीवन के लिए वर्तमान और भविष्य में कर्म फल के रूप में आप ही को प्राप्त होंगे। हिंदू धर्म में इसका उल्लेख सभी ग्रंथों में समाहित है। कर्मफल के आधार पर ही भाग्य से पुनर्जन्म होता है। मनुष्य जीवन, लंबे समय के बेहतर कर्म फल के सिद्धांत पर आधारित है। मनुष्य जीवन में आप अपने कार्य विवेक के अनुसार कर सकते हैं। देवत्व और मोक्ष प्राप्त करने के लिए भी, मनुष्य जन्म लेकर अपने कर्म फल के माध्यम से ही देवत्व को प्राप्त किया जा सकता है।

सनातन धर्म अनादि काल से चला आ रहा है। इसके बाद भी भारत जैसे देश में सनातन धर्म के मानने वालों की संख्या उस अनुपात में नहीं बढ़ी। जिस अनुपात में दूसरे धर्म को मानने वालों की बढ़ी है। हिन्दू धर्म को छोड़कर मुस्लिम, इसाई और बौद्ध धर्म में धर्मान्तरण करने वालों की संख्या बढ़ी है।

क्रिश्चियन धर्म जो लगभग 2000 साल पुराना है। इस्लाम धर्म लगभग 1400 साल पुराना है। पिछले 800 वर्षों में यह दोनों धर्म सारी दुनिया के देशों में बड़ी तेजी के साथ फैल गए। वहीं हिंदुओं अर्थात सनातन धर्म अपनाने वालों की संख्या नहीं बढ़ी। इसके पीछे निश्चित रूप से कोई न कोई कारण तो होगा, इसको जानने की जरूरत है। सारी दुनिया के प्रचलित प्राचीन धर्म के मानने वालों की संख्या घटती चली गई। वहीं क्रिश्चियन और इस्लाम मानने वालों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। इसमें धार्मिक कम सामाजिक व्यवस्था में उन धर्मों को मानने वालों लोगों ने गरीब, बेसहारा और मुसीबतजदा लोगों की सहायता कर उन्हें अपने धर्म के प्रति आकर्षित किया है। यह काम सनातनी और हिन्दू धर्म मानने वाले क्यों नहीं कर पाए।

हिंदूधर्म (सनातन धर्म) में छुआ-छूत, भेद-भाव, एक दूसरे की मदद नहीं करना मुख्य कारण है। जब सत्ता अथवा सामर्थ्य की ताकत प्राप्त होती है। उस समय निर्बलों की मदद करने के स्थान पर क्रूरतापूर्ण व्यवहार से हिंदूओं के बीच समय-समय पर धर्म परिवर्तन होता आया है। जिसका कारण धर्म के मूल गुणों के अनुसार आचरण नहीं करने से आपने ही हिन्दू धर्म छोड़कर अन्य धर्म धारण करने विवश होता है। यहां ध्यान रखना होगा, धर्म परिवर्तन तभी आदमी करता है। जब उसके जीवन-मरण के बीच और कोई रास्ता ना बचा हो, अथवा वह अपने ही धर्म के लोगों की उपेक्षाओं से नाराज हो।

1001 से 1027 के बीच महमूद गजनवी ने भारत में 17 बार आक्रमण किए। सैकड़ों की जनसंख्या में आए आक्रांताओं ने बड़ी-बड़ी रियासतों पर आक्रमण किया। मुस्लिमों अथवा इस्लाम मानने वाले लुटेरों का भारत में प्रवेश शुरू हुआ। लाखों लोगों के बीच में हजारों की संख्या में आए लुटेरों ने राजाओं, जागीरदारों के महलों पर कब्जा कर लिया। जनता क्रूर हिंदू राजाओं और जागीरदारों के समर्थन में खड़ी नहीं होती थी। उस समय के राजा और जागीरदार अपनी ही प्रजा का शोषण करते थे। उनके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते थे। इसके स्थान पर जो मुस्लिम आक्रांता आए, उन्होंने जनता के बीच हिंदू शासकों की अपेक्षाकृत बेहतर शासन करना शुरू किया। जिसके कारण 600 वर्षों तक भारत में बड़ी तेजी के साथ मुस्लिम शासक शासन करते रहे। आम जनता ने उनका कोई विरोध नहीं किया। उल्टे मुस्लिम शासकों का शासन एक तरह से आम जनता ने स्वीकार किया। इस वास्तविक्ता पर हिंदू शासकों और धार्मिक साधु-संतों ने कभी ध्यान नहीं दिया।

वर्ष 1600 में भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार करने के लिए आई। इस कंपनी ने हिंदू और मुस्लिम राजाओं को आर्थिक सहायता देकर उनकी सत्ता में भागीदारी की। 1848 में लॉर्ड डलहौजी प्रथम गवर्नर जनरल बने। ब्रिटिश सरकार का शासन भारत में हुआ। अंग्रेजों के 248 साल के शासनकाल में ईस्ट इंडिया कंपनी ने 158 साल भारत के विभिन्न राजाओं की रियासतों पर कब्जा कर शासन किया। वहीं मात्र 90 साल ब्रिटिश राजा का शासन भारत में रहा।

हमें गौर करना होगा भारतीय हिंदू शासकों ने जब अपनी प्रजा का शोषण किया। जनता ने हिंदू शासकों के पक्ष में खड़ा होना स्वीकार नहीं किया। हजारों मील दूर से हजारों की संख्या में आए आक्रांताओं (लुटेरों) की आधीनता हिन्दू प्रजा ने स्वीकार कर ली। इस तथ्य पर भी गौर करना पड़ेगा, कि जब 1600 में ईस्ट इंडिया कंपनी आई। धीरे-धीरे उसका शासन और उसका प्रभाव भारत में बढ़ता चला गया। संख्या में वह भी बहुत कम थे। इसका क्या कारण था। इस तथ्य को हिंदू और सनातन समाज को जानने की जरूरत है। इतिहास पर दृष्टिपात करें तो हिंदू और मुस्लिम शासकों ने जब शासक बनकर जनता का शोषण करना किया। जनता उनके विरोध में उठ खड़ी हुई। अंग्रेजों ने भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा और भुखमरी में आम जनता को सहायता देकर अपने पक्ष में कर लिया था। हिंदू-मुस्लिम शासकों ने जब अपने ही लोगों की सहायता मुसीबत में नहीं की। अंग्रेजों ने उसी बीच जनता की सहायता और उसका पोषण किया। उसी के साथ जनता जुड़ती चली गई।

लगभग ढाई सौ साल के शासन काल में जब अंग्रेज सरकार ने टैक्स-शुल्क बढ़ाकर आम जनता का शोषण शुरू किया। तभी भारत में अंग्रेजों का विरोध शुरू हुआ। परिणाम स्वरुप 1947 में अंग्रेजों को भी भारत छोड़कर जाना पड़ा।

उपरोक्त बहुत सारे तथ्य सामने लाने के पीछे सिर्फ एक ही अभिप्राय है। जब-जब सत्ता आम जनता का शोषण करने लगती है। भूख और प्यास से पीड़ित जनता तब अपना जीवन बचाने के लिए संघर्ष करते हुए शासकों का विरोध करती है।

आज सारी दुनिया में सबसे ज्यादा ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों की आबादी है। ईसाई धर्म बड़ी तेजी के साथ सारी दुनिया के देशों में 2000 वर्षों में फैल गया। इसी तरह 1400 साल पुराना इस्लाम धर्म बड़ी तेजी के साथ दुनिया भर के देशों में फैल गया। इसके पीछे मेरी समझ में जो सबसे बड़ा कारण है, कि ईसाई और इस्लाम मानने वालों ने अपने धर्म के अनुसार कुछ हद तक सामाजिक व्यवहार में आचरण में धार्मिक नैतिक्ता को जीवित रखा है। नमाज के दौरान हर अमीर गरीब कतार में खड़ा होता है। खाना खाते समय सभी एक ही दरी में बैठकर बिना किसी भेदभाव के एक साथ खाना खा लेते हैं। मदद की जरूरत होने पर मदद करने से बिना किसी भेदभाव के आगे आ जाते हैं। कोरोना काल में हिंदुओं के प्रति हिंदुओं का व्यवहार यहां तक कि परिवार के लोगों के बीमार अथवा मृत्यु होने के बाद परिवार जनों ने शव का अंतिम संस्कार तक नहीं किया। ऐसे समय मुस्लिम समाज के लोग आगे आए। मुस्लिमों में आज भी अपनी धार्मिक व्यवस्था के अनुसार कहीं ना कहीं उनका मानव धर्म आचरण में देखने को मिल जाता है। इसी तरह ईसाइयों में भी गरीबों के स्वास्थ्य और भोजन को लेकर जिस तरह की सहायता की जाती है। वैसे कामों को करने के लिए हिंदू समाज उस तरह से आगे नहीं आता है। (लेखक- सनत कुमार जैन / ईएमएस)

आज का इतिहास 22 अगस्त

1320 नसीरुद्दन खुसरो को गाजी मलिक ने हराया था.
1642 इंग्लैंड में गृहयुद्ध भड़का था जब शासक चार्ल्स प्रथम ने संसद और सैनिकों को देशद्रोही करार दिया.
1788 ब्रिटेन ने सिएरालियोन में दासों के लिए बस्ती बसाई थी.
1910 जापान ने कोरिया पर विधिवत अधिकार कर लिया.
1911 लियोनार्दो दी विंची की कलाकृति मोनालिसा पेरिस के संग्रहालय से चोरी चली गई.
1921 महात्मा गांधी ने विदेशी सामानों की होली जलाई.
1971 सैन डोमिंगों के फ्रांसीसी कब्जे वाले क्षेत्र में अश्वेतों ने विद्रोह कर दिया .
1972 रोडेशिया को रंगभेदी नीति के कारण ओलंपिक खेलों से हटना पड़ा.
1979 राष्ट्रपति संजीव रेड्डी ने लोकसभा भंग कर नए चुनाव कराने का आदेश जारी किया.
1991 यूगोस्लाव अधिकारियों ने क्रोएशिया में युद्ध विराम के उल्लंघन और लड़ाई में 70 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की.
1992 कनाडा के प्रमुख नेताओं में आमूलचूल संवैधानिक सुधार की एकमुश्त योजना स्वीकार की.
1995 भारतीय मूल के अमेरिकी निवासी नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. सुब्रमणयम चंद्रशेखर का 84 वर्ष की आयु में निधन.
2004 देश के पहले असैनिक विमान सारस ने पहली सफल उड़ान भरी.
2007 टाटा समूह देश में सबसे अधिक कर भुगतान करने वाला औद्योगिक समूह बना.

खेल - समाचार

क्वितोवा, गर्सिया के बीच होगा वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन का खिताबी मुकाबला

मैसन (ईएमएस)। महिला टेनिस खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा पहली बार वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। क्वितोवा ने सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में मैडिसन कीज को 6-7 (6), 6-4, 6-3 से हराया। क्वितोवा ने इससे पहले सिनसिनाटी ओपन में 10 बार हिस्सा लिया था हालांकि वह पहले कभी सेमीफाइनल से ऊपर नहीं बढ़ पाई थीं। अब फाइनल में क्वितोवा की टक्कर फ्रांस की खिलाड़ी कारोलिन गर्सिया से होगी।

गर्सिया इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बनी हैं। उन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 6-2, 4-6, 6-1 से हराकर लगातार सातवां मैच जीतकर फाइनल में स्थान बनाया। वहीं पुरुष वर्ग का फाइनल क्रोशिया के बोर्ना कोरिच और यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास के बीच खेला जाएगा। कोरिच ने सेमीफाइनल में कैमरन नोरी को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी जबकि सिटसिपास ने दानिल मेदवेदेव को 7-6, 6-3, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग नहीं लेगी सिंधु

टोक्यो (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु चोटिल होने के कारण बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। यह पिछले एक दशक में पहली बार है जब सिंधु इस चैंपियनशिप में भाग नहीं ले रही हैं। सिंधु के नहीं खेलने के कारण इस टूर्नामेंट में सभी की नजरें युवा लक्ष्य सेन और एच एच प्रणय पर लगी रहेंगी। सिंधु राष्ट्रमण्डल खेलों में खिताबी अभियान के दौरान चोटिल होने के कारण इस चैंपियनशिप से हटी हैं। ऐसे में अब इस टूर्नामेंट में भारतीय प्रशंसकों को लक्ष्य के अलावा अनुभवी प्रणय और किदांबी श्रीकांत से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत ने 2011 के बाद से ही इस चैंपियनशिप में हमेशा पदक जीते हैं। गत वर्ष श्रीकांत ने रजत जबकि लक्ष्य ने कांस्य पदक जीता था पर इस बार मुकाबला अधिक कड़ा है। साल 2021 में जापान के केंटो मोमोटा तथा जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग की इंडोनेशियाई जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था पर इस बार किसी खिलाड़ी ने भी नाम वापस नहीं लिया है।

भारत को पुरुष खिलाड़ियों से अच्छी उम्मीदें हैं क्योंकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। राष्ट्रमण्डल खेलों के स्वर्ण विजेता लक्ष्य इस बार भी विश्व चैंपियनशिप में खिताब के प्रबल दावेदार हैं। उनका पहला मुकाबला डेनमार्क के अनुभवी हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस से होगा। भारत के तीनों पुरुष खिलाड़ी एक ही क्वार्टर में है और ऐसे में उनका आपस में भी मुकाबला हो सकता है। लक्ष्य का तीसरे दौर में प्रणय से सामना हो सकता है। प्रणय को इससे पहले दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त मोमोटा को हराना होगा। प्रणय ने पिछले कुछ समय से अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखी है। वह तीन बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में पहुंचे और उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को बरकरार रखने की उम्मीद की जा रही है।

श्रीकांत को 12वीं वरीयता दी गई है और वह भी लक्ष्य और प्रणय की तरह अच्छी लय में हैं। राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने कांस्य पदक जीता था पर आयरलैंड के नाट गुयेन और चीन के झाओ जून पेंग जैसे खिलाड़ियों को हराने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यदि श्रीकांत शुरुआती बाधाओं को पार कर लेते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला दुनिया के पांचवें नंबर के मलेशियाई ली जिया जिया से हो होगा। इनके अलावा पुरुष युगल में चिराग सेठी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी पर भी सभी की नजरें रहेंगी। इस जोड़ी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। विश्व में सातवें नंबर की इस भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है। दूसरे दौर में उनका सामना मलेशिया के गोह वी शेम और टैन वी किओंग की जोड़ी से हो सकता है.

एशिया कप से बाहर हुए शाहीन , पाक को झटक लगा

वकारे बोले, शीर्ष भारतीय क्रम को मिली होगी राहत

लाहौर (ईएमएस)। एशिया कप शुरु होने से पहले ही पाकिस्तान को करार झटका लगा है। पाक के युवा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी चोटिल होने के कारण बाहर हो गये हैं। शाहीन के घुटने में चोट लगी है। एशिया कप 27 अगस्त से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से अफरीदी के बाहर होने पर पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने कहा है कि इससे भारत के शीर्ष बल्लेबाजी क्रम को जरुर राहत मिलेगी।

वकार ने सोशल मीडिया पर शाहीन की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ' शाहीन चोट भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए राहत वाली है। इस गेंदबाजा के एशिया कप 2022 में नहीं खेलने से पाक को झटका लगा है। वकार ने कहा कि हमें टी20 विश्वक कप में इस गेंदबाज की वापसी की उम्मीद है।'

गत वर्ष हुए आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 में शाहीन ने भारतीय शीर्षक्रम को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने तब शुरूआती ओवरों में ही रोहित शर्मा और लोकेश राहुल को पेवेलियन भेज दिया था। इसके बाद अनुभवी विराट कोहल को आउट कर भारतीय टीम की उम्मीदें तोड़ दी थीं। अफरीदी के अब इस साल अक्टूबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टी20 ट्राई सीरीज से मैदान में वापसी की उम्मीदें हैं।शाहीन अपना रिहैब पूरा करने के लिए टीम के साथ ही रहेंगे हालांकि एशिया कप के लिए उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी की घोषणा जल्द होगी।

युवा क्रिकेटर की गेंद लगने से मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। यहां एक घरेलू क्रिकेट मुकाबले में गेंद लगने से एक खिलाड़ी की मौत का मामला सामने आया है। यह घटना स्वरूप नगर इलाके के एक स्कूल की है। यहां क्रिकेट खेल रहे हबीब मंडल नाम के 30 वर्षीय युवक के सीने में गेंद लगने से उसकी मौत हो गई। हबीब क्रिकेट खेलने के लिए कोलकाता से दिल्ली आया था और स्कूल कैंपस में ही क्रिकेट खेल रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैच के दौरान गेंद के सीने में लगने के बाद यह युवक बेहोश हो गया था। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में युवक के परिजनों को जानकारी दे दी है पर अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज की है।

गौरतलब है कि क्रिकेट मैदान पर गेंद लगने से पहले भी कई खिलाड़ियों की मौत हुहै है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रमन लांबा और ऑस्ट्रेलिया के फिलिप ह्यज की भी गेंद लगने से मौत हुई थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फिलिप ह्यूज को भी मैच के दौरान सिर में बाउंसर गेंद लगी थी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा जीत के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंची भारतीय टीम

हरारे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम दूसरे एकदिवसीय में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त जीत हासिल करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करने के करीब पहुंच गयी है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। अभी पाकिस्तान टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे ज्यादा 54 जीत के साथ शीर्ष पर है वहीं भारतीय टीम ने 53 वीं जीत हासिल की है। दोनों टीमों के बीच अब केवल एक ही जीत का अंतर रह गया है। दूसरे एकदिवसीय में मेजबान जिम्बाब्वे ने भारतीय टीम को जीत के लिए 162 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसे भारतीय टीम ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत के मामले में तीसरे पायदान पर बांग्लादेश है। उसे 51 मुकाबलों में जीत मिली है।

झूलन गोस्वामी का गेंदबाजी सफर थमेंगा, संन्यास का ऐलान, लॉर्ड्स में खेलेंगी आखिरी वनडे स्पर्धा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेटर महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। झूलन लॉर्ड्स में 24 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मुकाबला खेलेंगी। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 201 मैच में 252 विकेट लिए हैं। वहीं, महिला वनडे विश्व कप में भी सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हैं। उन्होंने विश्व कप के 34 मैच में 43 विकेट लिए हैं। वो विश्व कप में 2 बार 4 विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। 39 साल की झूलन को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हालांकि, वो कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं थीं। युवाओं को मौका देने के लिए झूलन ने संन्यास लेने का फैसला किया है।

झूलन ने इसी साल मार्च में भारत के लिए आखिरी मैच खेला था। तब वो न्यूजीलैंड में हुए महिला विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में उतरी थीं। इस मैच में उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। बीसीसीआई इसी वर्ल्ड कप के बाद ही झूलन को विदाई देना चाहती थी। लेकिन, चोट के कारण वो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी लीग मैच में नहीं उतर पाईं थीं। इसके बाद से ही उनके विदाई मैच का इंतजार हो रहा है। उन्होंने 2018 में भारत के लिए पिछला टी20 खेला था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच अक्टूबर 2021 में खेला था। झूलन को जुलाई में श्रीलंका दौरे के लिए भी चुना जाना था। लेकिन, वो इस सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट नहीं थीं। वो जुलाई के आखिरी हफ्ते में फिट हुईं थीं। इसके बाद कॉमनवेल्थ गेम्स के मुकाबले टी20 फॉर्मेट में होने थे और झूलन 4 साल से टी20 नहीं खेल रही हैं। इसी वजह से उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मौका दिया गया।

विदेशी निवेशकों के रुख तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में जुलाई में महंगाई में कमी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह तेजी पर रहे शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। इस सप्ताह वैश्विक रुझानों और रुपए की चाल भी शेयर बाजार की प्रभा?वित करेंगी। विश्लेषकों ने कहा ?कि इस सप्ताह अगस्त महीने के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदे पूरे होंगे, जहां तेजड़िए अगस्त सीरीज में बढ़त के बाद आराम की तलाश में हैं। उन्होंने कहा ?कि इस सप्ताह बहुत अधिक घटनाएं नहीं हैं, लेकिन वैश्विक संकेत, अगस्त महीने के एफएंडओ सौदे और एफआईआई का रुख बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा ?कि लगभग सभी कंपनियों के तिमाही नतीजे आ चुके हैं और अब बाजार का ध्यान चीन-अमेरिका के बीच भू-राजनीतिक तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के अलावा कच्चे तेल के रुख पर भी होगा। इस सप्ताह वायदा सौदों के निपटान के लिए प्रतिभागी व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा अमेरिका से वैश्विक संकेत और विदेशी निवेश की आवक पर भी बाजार की नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह कारोबार के अंतिम दिन शुक्रवार को एफआईआई ने ऊंचे भाव पर जमकर मुनाफावसूली की है, जिससे शेयर बाजार की लगातार जारी तेजी थम गई। ऐसे में इस सप्ताह भी बाजार पर मुनाफावसूली का दबाव दिख सकता है। इस बीच छोटे निवेशकों के लिए बेहतर होगा कि वे सतर्कता बरतें।

ब्याज दरें बढ़ने से कार की मांग पर असर नहीं: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रैंड विटारा और ब्रेजा जैसे नए उत्पादों की पेशकश के साथ बुकिंग में वृद्धि हुई है और कंपनी के लंबित ऑर्डर पिछली तिमाही में 2.8 लाख से बढ़कर लगभग 3.87 लाख इकाई हो गए। उन्होंने एक बातचीत में कहा ?कि सैद्धांतिक रूप से ब्याज दरों में बढ़ोतरी का नकारात्मक प्रभाव होना चाहिए लेकिन फिलहाल हम ऐसा महसूस नहीं कर रहे हैं। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी से कारों की मांग पर असर पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की थी। मई के बाद से यह लगातार तीसरी वृद्धि थी। इसके साथ ही ब्याज दर महामारी से पहले के स्तर पर आ गई है। श्रीवास्तव ने कहा कि ब्याज दरों में वृद्धि का मांग पर असर नहीं होने की एक वजह यह है कि महामारी और सेमीकंडक्टर की कमी के चलते आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान हुआ। इस कारण उत्पादन प्रभावित हुआ और मांग को पूरा नहीं किया जा सका था। उन्होंने कहा ?कि क बार जब आपके पास भरपूर उत्पादन हो जाएगा, तो मांग के वास्तविक रुझानों का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर आपूर्ति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कुछ बाधाएं हैं, जो कंपनी को अपनी पूरी उत्पादन क्षमता से काम करने से रोक रही है। यह बताना कठिन है कि यह कब तक सामान्य हो जाएगा।

विदेशी निवेशकों ने 1 से 19 अगस्त के बीच 44,481 करोड़ के शेयर खरीदे

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की खरीदारी एक बार फिर वापस लौटती दिख रही है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने 1 अगस्त से 19 अगस्त के बीच भारतीय बाजार में 44,481 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे हैं। किसी एक महीने में यह विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में यह सबसे बड़ी खरीदारी है। बाजार की इस तेजी के बीच अब यह चर्चा है कि क्या यह तेजी आगे जारी रहेगी या नहीं। साल की पहली छमाही रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, अमेरिकी में मंदी की आशंका के बीच गिरावट और उतार-चढ़ाव के बीच निकल गया है। अब साल की दूसरी छमाही में निवेशकों को तेजी देखने को मिल रही है। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार की स्थिति अब बेहतर दिख रही है। बाजार में 2020 में निचले स्तरों पर निवेश करने वाले नए निवेशकों को अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए। वहीं अनुभवी निवेशकों को बाजार में अभी रूकना चाहिए। हालांकि अब निवेशकों को 2020-21 के जैसा डबल -ट्रिपल रिटर्न की उम्मीद नहीं करना चाहिए। अब महंगाई कम होती दिख रही है और कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बेहतर आए हैं। लिहाजा इक्विटी में बुलिश होने के कारण नजर आ रहे हैं. मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये सोचना गलत होगा कि संकट खत्म हो गया है. अभी बाजार में वैलेटिलिटी देखने को मिल सकती है. साथ ही करेक्शन के और नए दौर भी आ सकते हैं. लिहाजा एसआईपी और धीरे-धीरे निवेश जारी रखें।

सोमालिया- सुरक्षाबलों की 30 घंटे की मशक्कत के बाद होटल हयात आतंकियों से मुक्त, 13 नागरिकों की मौत

मोगादिशु (ईएमएस)। सोमालिया में एक आतंकी हमले के दौरान सुरक्षाबलों ने 30 घंटे की कवायद के बाद राजधानी मोगादिशु शहर के हयात होटल में अल-शहाब आतंकियों को ढेर कर मुक्त कराया है। सोमालियाई सुरक्षा बलों ने बताया कि शनिवार देर रात होटल में चलाए गए ऑपरेशन को खत्म कर दिया गया है। इस आतंकी हमले में 13 नागरिकों की मौत हो गई है जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हैं। सोमाली अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार शाम को अल-कायदा से जुड़े अल-शहाब के आतंकवादी राजधानी के लोकप्रिय हयात होटल में घुस गए और बंदूक तथा बम से हमले किए जिसमें 13 नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हो गए।

खबरों के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावर बंदूकधारियों को मार गिराया है। पिछले एक घंटे से कोई गोलीबारी नहीं हुई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल होटल में कितने आतंकियों की मौत हुई है और इस घटना में कितने सुरक्षा बलों को नुकसान हुआ है, इसकी गणना की जा रही है। नागरिकों की मौत की संख्या भी बढ़ सकती है। होटल हयात को पूरी तरह से साफ करने में अभी वक्त लगेगा क्योंकि बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया है जो होटल के कोने-कोने में विस्फोटकों का साफ करेगा। सोमालिया के नए राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद के जून में पदभार संभालने के बाद से मोगादिशु में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला था। गौरतलब है कि सरकार पिछले 15 साल से इस्लामी आतंकवादी समूह अल-शहाब के विद्रोह को कुचलने की कोशिश में है लेकिन यह और ज्यादा चुनौती बनती जा रही है। मोगादिशु का हयात होटल काफी लोकप्रिय होटल है क्योंकि यहां कई सरकारी अधिकारी आते-जाते रहते हैं।

शनिवार देर रात सुरक्षा बलों को इस होटल में आतंकियों के सफाये के लिए घुसना पड़ा। इस ऑपरेशन में होटल को भी काफी नुकसान पहुंचा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि होटल की छत को आग की लपटों में उड़ते हुए देखा। यहां भारी मात्रा में विस्फोटक होने की सूचना भी मिली है जिसे बम निरोधक दस्ता हटा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि होटल में मौजूद बच्चों और दर्जनों अन्य लोगों को बचा लिया गया है। हालांकि पिछले 30 घंटे में ये लोग कैसे थे, अभी इसकी सूचना नहीं मिल पाई है।

तीसरे एकदिवसीय को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने उतरेगी टीम इंडिया

दोपहर 12:45 बजे से शुरु होगा मैच

हरारे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे मैच को आसानी से जीता है। ऐसे में तीसरे मैच में भी वह जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे का लक्ष्य पिछली दो हार भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा हालांकि यह उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। .

भारतीय टीम तीसरे मैच में कुछ नये खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए सभी युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये जाने के प्रयासों को देखते हुए ही यह अहम माना जा रहा है। कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने अब तक युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया है। इन युवा खिलाड़ियों को यहां मिले अनुभवों का लाभ होने वाली सीरीजों में होगा। इससे उन्हें बेहतर क्रिकेटर के रूप में खुद को उभरने में सहायता मिलेगी।

भारतीय गेंदबाजों ने अब तक मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया है। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय में पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी ताकि एशिया कप को देखते हुए कप्तान लोकेश राहुल सहित अधिकतर खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का अवसर मिल सके। राहुल दूसरे एकदिवसीय में केवल एक रन ही बना पाये थे जबकि पहले एकदिवसीय में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल इस मैच में बड़ी पारी खेलाकर आगामी एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे टीम अपना सम्मान बचाने का प्रयास करेगी। इसी को देखते हुए वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में जीत के लिए पूरी ताकत झौंक देगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं : भारतः लोकेश राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज अहमद।

जिम्बाब्वेः रेजिस चकबवा (कप्तान), रयान बर्ल, तनाका चिवंगा, ब्रैडली इवांस, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट काया, ताकुदज़्वानाशे कैटानो, क्लाइव मदांडे, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमनी, जॉन मसारा, टोनी मुन्योंगा, रिचर्ड नगारवा, विक्टर न्याउची, मिल्टन शुम्बा और डोनाल्ड तिरिपानो।

यूएन में चीन और रूस ने तालिबान का किया समर्थन, अमेरिका विरोध में आया

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान के 13 अफसरों को यात्रा के लिए दी गई छूट की अवधि बढ़ाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कोई सहमति नहीं बन गई। यह अवधि शुक्रवार आधी रात को समाप्त हो गई। संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों ने बताया कि रूस और चीन सभी 13 अधिकारियों को दी गई यात्रा की अनुमति जारी रखने के पक्ष में हैं, जबकि अमेरिकी और पश्चिमी देश तालिबान के महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों और वादे के मुताबिक समावेशी सरकार गठित करने में उसके असफल रहने के विरोध में इन अधिकारियों की संख्या कम करना चाहते हैं।

राजनयिकों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि रूस और चीन ने अमेरिका के हालिया प्रस्ताव पर विचार करने के लिए शुक्रवार शाम को और समय मांगा। यानी सभी 13 तालिबान अधिकारियों पर सोमवार दोपहर तक के लिए यात्रा प्रतिबंध फिर से लागू हो गया है। रूस एवं चीन ने अमेरिकी प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए सोमवार दोपहर तक का समय मांगा है। संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान के कई सदस्यों पर यात्रा प्रतिबंध समेत कई प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन कुछ तालिबानी अधिकारियों को छूट दी गई थी, ताकि वे अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उद्देश्य से वार्ता में भाग लेने के लिए यात्रा कर सकें।

अमेरिका ने 13 में से सात तालिबानी अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध फिर से लगाने का गुरुवार को प्रस्ताव रखा। उसने छह अन्य को केवल कतर की यात्रा की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा, जहां अमेरिका और तालिबान के बीच वार्ता हुई है। राजनयिकों ने बताया कि रूस और चीन ने प्रस्ताव रखा कि सभी 13 अधिकारियों को 90 दिन तक यात्रा में छूट दी जाए, लेकिन उन्हें केवल रूस, चीन, कतर और 'क्षेत्रीय देशों' में जाने की अनुमति दी जाए।

उन्होंने बताया कि रूस और चीन ने अमेरिकी प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और ब्रिटेन, फ्रांस एवं आयरलैंड ने रूस-चीन प्रस्ताव का विरोध किया। रायनयिकों ने बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार दोपहर को अपने प्रस्ताव में संशोधन किया और कहा कि सात तालिबान अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध जारी रखा जाए, जबकि छह अन्य लोगों को बिना किसी भौगोलिक प्रतिबंध के 90 दिन की छूट दी जाए। इस प्रस्ताव पर रूस और चीन अब विचार कर रहे हैं।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस से पहले भीषण रूसी हमले की संभावना! जेलेंस्की किया आगाह, कहा अलर्ट रहें

कीव (ईएमएस)। युद्धग्रस्त यूक्रेन पर रूसी हमले लगातार जारी हैं इन हमलों के बीच यहां के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने देशवासियों को आगाह करते हुए कहा कि सोवियत शासन से आजादी के 31 साल पूरे होने के अवसर पर बुधवार को होने वाले समारोहों से पहले सतर्क रहे। जबकि क्रीमिया में कई विस्फोट हुए और एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक मिसाइल हमले में 12 नागरिक घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनियों को 24 अगस्त के समारोह से पहले मास्को को 'निराशा और भय फैलाने' में सफल नहीं होने देना चाहिए।

एक खबर के मुताबिक जेलेंस्की ने एक वीडियो पर में कहा कि 'हम सभी को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि इस हफ्ते रूस कुछ विशेष रूप से बदसूरत, कुछ विशेष रूप से शातिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है।' जेलेंस्की ने अपने भाषण में क्रीमिया में हाल ही में हुए विस्फोटों की एक हालिया सीरिज का भी उल्लेख किया। हालांकि यूक्रेन ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन विश्लेषकों के मुताबिक कम से कम कुछ को उसकी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए नए उपकरणों से किया गया है।

जबकि इलाके के गवर्नर ओलेह सिनेहब ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में कर्फ्यू बुधवार को पूरे दिन के लिए बढ़ाया जाने वाला है। कर्फ्यू आमतौर पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक चलता है। खार्किव लगातार रूसी गोलाबारी की चपेट में है। सिनेहब ने नागरिकों को टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखे एक संदेश में कहा कि घर पर रहें और चेतावनियों का ध्यान रखें। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को भी एक रूसी मिसाइल दक्षिणी यूक्रेनी शहर के एक परमाणु ऊर्जा स्टेशन से कुछ दूर एक आवासीय क्षेत्र में गिरी, जिसमें 14 नागरिक घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि पिवडेनौक्रेनस्क (दक्षिण यूक्रेन) परमाणु केंद्र पर हमले और यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया स्टेशन के पास ताजा गोलाबारी ने परमाणु दुर्घटना की आशंका को फिर से जगा दिया है।

त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने से उद्योग जगत को मिलेगी मजबूती

- औद्योगिक जिंसों के दाम कम होने से उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों पर वस्तुएं नहीं खरीदनी पड़ेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय का मानना है कि त्योहारी सीजन में उपभोक्ता की मांग में इजाफा होगा। ?जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों जगहों पर उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी होगी। औद्योगिक जिंसों के दाम कम होने से त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों पर वस्तुएं नहीं खरीदनी पड़ेगी। आरबीआइ के सर्वे में भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों के उत्पादन और नए ऑर्डर में बढ़ोतरी होगी। मैन्यूफैक्चरिंग और कैपिटल गुड्स में पिछले तीन महीनों से लगातार दहाई अंक में बढ़ोतरी भी मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी के संकेत दे रही है। सितंबर माह से त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है जो साल के आखिर तक रहेगा। वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण खरीफ की बुवाई को मदद मिल रही है और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी की संभावना है। मंत्रालय के मुताबिक संपर्क से चलने वाले सेक्टर से लोग अब परहेज नहीं कर रहे हैं और लोग खुलकर सैर-सपाटे के साथ होटल व रेस्टोरेंट में जा रहे हैं। इससे शहरी इलाकों की खपत में इजाफा होगा।

मंत्रालय के मुताबिक टूरिज्म, होटल जैसे उद्योग एक बार फिर से कोरोना काल से पूर्व की स्थिति में पहुंच रहे हैं। पिछले दो महीने से सेवा सेक्टर के परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस साल फरवरी माह के आखिर में रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद स्टील, तांबा, एल्युमीनियम, जिंक, चांदी जैसे औद्योगिक जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन जून के बाद से इन जिंसों के भाव में लगातार गिरावट हो रही है। कच्चे तेल के वैश्विक दाम भी लगातार कम हो रहे है। औद्योगिक निर्माताओं के मुताबिक वे अब त्योहारी सीजन में अपनी पूरी क्षमता से मैन्यूफैक्चरिंग करेंगे क्योंकि उनकी लागत कम हो गई है। लागत कम होने से उनका मार्जिन भी प्रभावित नहीं होगा। कंज्यूमर डयूरेबल और रिटेल कारोबारियों के मुताबिक लागत कम होने से अब वस्तुओं की कीमतें भी नहीं बढ़ेंगी और हो सकता है कुछ वस्तुओं पर उपभोक्ताओं को राहत मिल जाए। दूसरी तरफ सरकार भी अर्थव्यवस्था में लगातार निवेश कर रही है। पूंजीगत व्यय के रूप में पहली तिमाही में 1.75 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं और इससे भी अर्थव्यवस्था में नई मांग निकलेंगी।

भूटान भी भारी आर्थिक संकट में फंसा

भूटान (ईएमएस)। भूटान इन दिनो आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा के संकट को देखते हुए भूटान ने कृषि मशीनरी, हेवी अर्थ मूविंग मशीनों, सभी वाहनों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। भूटान की अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ गिरावट आई है। इस स्थिति से निपटने के लिए भूटान सरकार ने आयात को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है।

भूटान ने अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति को देखते हुए त्वरित निर्णय लेना शुरू कर दिया है। लगता है, श्रीलंका की हालत को देखते हुए भूटान ने समय रहते अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

भारत बेपरवाह

वलभारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ा हुआ है। रुपए के मूल्य में लगातार डॉलर के मुकाबले गिरावट हो रही है। आयात अधिक हो रहा है, निर्यात कम हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी हर सप्ताह गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बाद भी भारत सरकार ने अभी तक अपने आयात-निर्यात व्यापार को संतुलित करने की कोशिश नहीं की।

तानाशाह ईदी अमीन के युगांडा से एशियाई लोगों के निष्कासन को सबक के तौर पर याद रखें : मोहम्मद केशवजी

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। युगांडा के तानाशाह शासक ईदी अमीन जो नरभक्षी के तौर पर कुख्यात रहे उन्होंने अपने शासनकाल में यहां से 50 साल पहले हजारों एशियाई लोगों को निष्कासित कर दिया था। इस घटना को लेकर सुलह संबंधी मामलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ मोहम्मद केशवजी ने कहा कि किए जाने की घटना को देशवासियों द्वारा सीखे गए सबक के लिए याद किया जाना चाहिए। टेन निवासी केशवजी ने कहा, 'जब लोकतांत्रिक व्यवस्था ढह जाती है तो कोई भी सुरक्षित नहीं होता।' केशवजी खुद दो बार विस्थापन का दंश झेल चुके हैं। उनका परिवार दक्षिण अफ्रीका में दमनकारी शासन से बचने के लिए 1960 के दशक में प्रेटोरिया से केन्या चला गया था। पड़ोसी युगांडा में संकट सामने आने के बाद उनके परिवार को केन्या छोड़कर कनाडा जाना पड़ा था। केशवजी युगांडा से एशियाई लोगों के निष्कासन की 50वीं वर्षगांठ को याद करने के लिए ब्रिटेन में गठित संचालन समिति के सदस्य हैं।

ईदी अमीन ने अगस्त 1972 में देश के करीब 80,000 लोगों को युगांडा से जाने के लिए मात्र 90 दिन का समय दिया था। उन्होंने एशियाई लोगों पर देश के प्रति वफादार न होने, सामाजिक एकीकरण का विरोध करने और व्यापार संबंधी कदाचार में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद कई एशियाई लोग ब्रिटेन, कनाडा, भारत, पाकिस्तान और केन्या जैसे देशों में चले गए थे। केशवजी ने कहा, 'अत्याचार जाति, वर्ग, रंग या पंथ के बीच आमतौर पर कोई अंतर नहीं करता। मनुष्य पर संकट पैदा हो जाता है और उसे जहां जगह मिलती है, वह वहां शरण ढूंढता है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय समुदाय के लोग कुल मिलाकर भाग्यशाली रहे, क्योंकि वे ऐसे देशों में पहुंचे, जहां उन्हें मर्जी या बगैर मर्जी के शरण दी गई।' केशवजी ने कहा 'अफसोस की बात है कि अमीन के आतंक के शासन की सबसे क्रूर परिस्थितियों में युगांडा में कई अफ्रीकियों ने भी अपनी जान गंवाई।'

केशवजी ने बताया कि उनके परिवार ने ईदी अमीन के शासन में युगांडा के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व अटॉर्नी जनरल जो जेक की जान बचाई थी। उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीकी पासपोर्ट रखने वाले केन्या के एक भारतीय परिवार के लिए जेक को शरण देना जोखिम भरा काम था।' जेक और उनके परिवार के देश से जाने के लिए आवश्यक यात्रा दस्तावेज बड़ी कठिनाई से प्राप्त करने के बाद केशवजी का परिवार उन्हें और उनके परिवार को लंदन ले जाने में कामयाब रहा, जहां से वे अंततः अमेरिका में बस गए। केशवजी ने कहा, 'जेक के अनुभव ने पूर्वी अफ्रीका के अन्य हिस्सों में रह रहे एशियाई लोगों के बीच भय को जन्म दिया और केशवजी परिवार समेत कई प्रवासी भारतीय केन्या से कनाडा चले गए, जहां आज वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।'

केशवजी को 2016 में जॉर्जिया के अटलांटा स्थित मोरेहाउस कॉलेज में मार्टिन लूथर किंग जूनियर इंटरनेशनल चैपल ने इकेदा शांति पुरस्कार से नवाजा था। उन्हें मध्यस्थता, शांति और मानवाधिकार शिक्षा में उनके योगदान के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया किया था। अमीन ने तंजानिया पर कब्जा करने की कोशिश की थी, जिसके चलते उन्होंने युगांडा के भीतर विद्रोही बलों को सहयोग दिया। इसके परिणामस्वरूप अमीन को 1979 से अपदस्थ कर दिया गया। वह अपने परिवार के साथ लीबिया चले गए और अंततः सऊदी अरब में बस गए, जहां 2003 में उनका निधन हो गया।

प्रौद्योगिकी के साथ मानवीय रचनात्मकता भी तेजी से बढ़ रही: कुमार मंगलम

मुंबई (ईएमएस)। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि जीवन और उद्योग में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है और उससे भी कहीं अधिक तेजी से मानवीय रचनात्मकता बढ़ रही है। बिड़ला ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा ?कि हम हाइटेक और हाइटच दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। जीवन और उद्योग में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है और उससे भी कहीं अधिक तेजी से मानवीय रचनात्मकता बढ़ रही है। मेरा तर्क है कि मानवीय स्पर्श और समानुभूति का सीधा संबंध प्रौद्योगिकी की वृद्धि से है। बिड़ला ने कहा कि आने वाले दशक में प्रौद्योगिकी जानकारों, उद्योगपतियों, राजनेताओं और नागरिकों को आस्तित्व के कुछ सवालों से समान रूप से जूझना होगा। उन्होंने कहा कि इंसानियत के समक्ष जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं उनका समाधान प्रौद्योगिकी और मानवीय सरलता ही निकाल सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए आगे आने का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्होंने लोगों और मशीनों के बीच उद्देश्य का सामंजस्य बिठाते हुए काम करना होगा।

राजपक्षे स्वदेश लौंटे, पर उन पर चलाया जाए धन के दुरुपयोग का मामला : अजीत पी. परेरा

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल समागी जना बालवेगया (एसजेबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा कि देश के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश लौटने का अधिकार है, क्योंकि वह श्रीलंका के नागरिक हैं। लेकिन धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राजपक्षे (73) देश छोड़कर चले गए हैं और देश की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के लिए सरकार के खिलाफ हुए विद्रोह के कारण उन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था।

एसजेबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा गोटबाया राजपक्षे इस देश के नागरिक हैं और उन्हें अपनी मातृभूमि लौटने का अधिकार है। इस अधिकार से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

श्रीलंका का संविधान पूर्व राष्ट्रपतियों को व्यक्तिगत सुरक्षा और कर्मचारियों के साथ एक कार्यालय सहित विशेषाधिकार देता है। परेरा ने कहा उनके खिलाफ अपने माता-पिता के स्मारक के लिए राजकीय कोष को कथित रूप से खर्च करने का मामला था। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा और दोषी पाए जाने पर दंडित किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान के अनुसार कानूनी छूट नहीं है।

एसजेबी ने राजपक्षे की सरकार पर भारत द्वारा प्रदान की गई एक अरब अमेरीकी डॉलर की ऋण सुविधा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है जो कि वित्तीय सहायता के तहत नकदी की कमी वाले राष्ट्र को अपने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए दी गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे अमेरिका के ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, क्योंकि वह अपनी पत्नी लोमा राजपक्षे के अमेरिकी नागरिक होने के कारण आवेदन करने के योग्य हैं। राजपक्षे ने 2019 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी।

आपकी कार में स्पीड लिमिटर खुद ही कार की स्पीड कम कर दे, इस योजना पर चल रहा काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्पीड लिमिट बोर्ड आपको लगभग हर हाइवे और फ्लाइओवर पर दिख जाते हैं। कुछ गाड़ियों में भी स्पीड लिमिटर इंस्टॉल होता है, जो आपको एक निश्चित स्पीड से ज्यादा रफ्तार पर कार ड्राइव नहीं करने देता है। हालांकि, इन सभी का तोड़ नियम तोड़ने वाले निकाल लेते हैं। क्या हो अगर आपकी कार में स्पीड लिमिटर खुद ही कार की स्पीड कम कर दे। आसान शब्दों में कहें, तब कार की स्पीड खुद-ब-खुद कम हो जाए। इस तरह की एक टेक्नोलॉजी को न्यूयॉर्क में टेस्ट किया जा रहा है। न्यूयॉर्क ऐसा करने वाला कोई पहला शहर नहीं है। गाड़ियों की तेज रफ्तार को मैनेज करने के लिए इस पर तेजी से काम हो रहा है।

6 महीने के पायलट प्रोजेक्ट के लिए शहर की 50 फ्लीट वीकल्स में लगाया गया है। ये स्पीड असिस्टेंट लोगों को निश्चित स्पीड को पार नहीं करने देगा। अगर यह प्रोजेक्ट सफल रहता है, तब न्यूयॉर्क में मौजूद 30 हजार फ्लीट वीकल्स में आईएसए को इंस्टॉल किया जाएगा। आईएएस दूसरे स्पीड लिमिटर्स के मुकाबले अलग तरह से काम करता है. जहां दूसरे लिमिट्स ड्राइवर को स्पीड क्रॉस करने के सिग्नल भेजते हैं। आईएसए ऑटोमेटिक कार की स्पीड कम कर देता है।

खाने के तेल में और मिल सकती है राहत

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। शिकागो एक्सचेंज के लगभग आधा प्रतिशत मजबूती के साथ बंद होने से शनिवार को दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिला जबकि आयात भाव के मुकाबले सोयाबीन का स्थानीय भाव कम होने से सोयाबीन तिलहन के भाव पूर्व-स्तर पर बने रहे। वहीं पामोलीन तेल के भाव टूटने के बीच बाकी लगभग सभी खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले स्तर पर बंद हुईं। वहीं बाजार के सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खाद्य तेलों के दाम काफी नीचे हैं लेकिन खुदरा कीमतों में खास गिरावट नहीं आई है ऐसे में कीमतों में और गिरावट की पूरी गुंजाइश है। बाजार के जानकार सूत्रों ने बताया कि सोयाबीन डीगम तेल का आयात कहीं महंगा बैठता है और इस तेल का स्थानीय भाव भी कमजोर होने से इसके आयात में नुकसान है। पामोलीन तेल का भाव इतना कम है कि इसके आगे कोई खाद्यतेल नहीं टिकेगा। पामोलीन इसी तरह सस्ता बना रहा तो अगले लगभग सवा महीने बाद आने वाली सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला की फसल की खपत को लेकर दिक्कत आ सकती है। सूत्रों ने कहा कि ऐसा होने पर सरकार को घरेलू किसानों के हित साधने के लिए समुचित कदम उठाने होंगे। सूत्रों के मुताबिक विदेशों में खाद्य तेलों के भाव टूट गए हैं और सरकार ने आयात शुल्क में भी ढील दे रखी है। इसके बावजूद कीमतों में हुई टूट के मुकाबले उपभोक्ताओं को उसका 25-30 प्रतिशत भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसका कारण खुदरा कारोबार में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जरुरत से कहीं ज्यादा रखा जाना है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में जिस मात्रा में भाव टूटे हैं, उसी के अनुरूप भारत में भी तेल कीमतें कम होनी चाहिए।

कांगो में इबोला का कहर, 2 महीने बाद फिर मिले चार संक्रमितों की मौत

किंशासा (ईएमएस)। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य-डीआरसी के अस्थिरता वाले पूर्वी इलाके के उत्तरी किवु प्रांत में इबोला वायरस फिर कहर बरपा रहा है। इस इलाके में इबोला वायरस के संदिग्ध मामले की जांच की जा रही है। पिछली इबोला वायरस महामारी के अंत की घोषणा के कुछ हफ्ते बाद ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अब इबोला वायरस का नया प्रकोप शुरू होने की आशंका जताई है।

खबरों के मुताबिक डीआरसी ने पिछले महीने की शुरुआत में अपने देश से इबोला महामारी के अंत की घोषणा की थी। जबकि दो महीने के बाद ही उत्तर-पश्चिमी भूमध्य रेखा के करीब के प्रांत में इबोला वायरस फिर से उभरा है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इबोला के चार पुष्ट मामले और एक संदिग्ध मामला सामने आया है। जिनमें से सभी की मृत्यु हो गई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 1976 में जबसे इस बीमारी की खोज की गई, यह इस देश में इबोला वायरस का 14 वां प्रकोप है।

अब अधिकारियों को डर है कि उत्तरी किवु के पूर्वी इलाके में सोमवार को जिस 46 वर्षीय महिला की मौत हुई है, वह भी इबोला वायरस की शिकार हो सकती है। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि शुरुआत में अन्य बीमारियों के लिए बेनी शहर के अस्पताल में उसका इलाज किया गया था। लेकिन बाद में उसमें इबोला वायरस रोग के समान लक्षण देखे गए। उसके सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे गए हैं।

डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक मात्शिदिसो मोएती ने एक बयान में कहा कि डब्ल्यूएचओ पहले से ही मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को सहयोग कर रहा है और संभावित प्रकोप से निपटने की तैयारी कर रहा है। जबकि सरकार ने शनिवार को लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया और कहा कि उत्तरी किवु में टीकों का भंडार मौजूद है। गौरतलब है कि इबोला एक घातक वायरल बुखार है। जिसमें मुख्य लक्षण बुखार, उल्टी, रक्तस्राव और दस्त होते हैं। डीआरसी की सबसे घातक महामारी ने 2020 में 2,280 लोगों की जान ले ली थी। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को कहा कि दो मौजूदा उपचार इबोला से होने वाली मौतों को बहुत कम करते हैं।

इस साल दुनिया के ज्यादातर देश गर्मी से परेशान हुए, ईरान में 5 अगस्त को 53 डिग्री जा पहुंचा तापमान

अबू धाबी (ईएमएस)। इस साल दुनिया के ज्यादातर देश अत्यधिक गर्मी से परेशान हुए। इस बार गर्मी में लंदन इतना गर्म हो गया है कि लोग बेहाल हो गए हैं। अखबारों में खबरें छपी की शहर का तापमान दुबई से भी अधिक हो गया है। स्पेन और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय देशों में भी इस साल रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की गई। जंगल की आग ने यूरोप के कुछ हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया और सूखे के कारण अब भोजन की कमी का खतरा पैदा हो गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल तापमान ही किसी शहर में रहने की क्षमता का पैमाना नहीं है, गर्मी और ह्यूमिडिटी का मेल भी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि समान तापमान पर भी मिडिल ईस्ट, यूरोप की तुलना में बहुत कम रहने योग्य है। मिडिल ईस्ट अभी भी काफी गर्म है। ईरान के शहर अबादान ने इस साल सबसे अधिक तापमान का रिकॉर्ड बनाया है। बीते 5 अगस्त को यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। लेकिन क्षेत्र में उच्च स्तर की ह्यूमिडिटी शहर को रहने लायक नहीं छोड़ती।

जब मौसम में ह्यूमिडिटी अधिक होती है तो तापमान का कम होना मुश्किल होता है। मिडिल ईस्ट विशेष रूप से बढ़ते वैश्विक तापमान की चपेट में है। कैलिफोर्निया इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रोफेसर टैपियो श्नाइडर का मानना है कि यह क्षेत्र पहले से ही गर्म है, इसके साथ ही ह्यूमिडिटी और बढ़ सकती है। इसलिए ग्लोबल वार्मिंग इसे उस क्षेत्र की कैटेगरी में धकेल सकती है, जहां मानव स्वास्थ्य खतरे में है।

फारस की खाड़ी के तेल-समृद्ध अरब देशों ने खुद को एयर कंडीशनिंग के साथ गर्मी के खिलाफ तैयार किया है, लेकिन अन्य क्षेत्रीय देशों के पास इस तरह की तकनीक नहीं है। इराक के बसरा शहर में कर्मचारियों को इस महीने की शुरुआत में अधिक गर्मी के कारण घर में रहने के लिए कहा गया था। इस दौरान केवल 10 घंटे तक बिजली सप्लाई मिली।

वहीं गाजा में भी लोगों को गर्मी से राहत तभी मिलती है, जब बिजली आती है। यहां बिजली केवल तीन से चार घंटे के लिए दी जा रही। इसी तरह लेबनान की सरकार भी अब प्रति दिन दो घंटे से अधिक बिजली नहीं दे पा रही। पडर्यू यूनिवर्सिटी ने एक रिसर्च में पाया कि 32 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर स्वस्थ लोगों के लिए भी बाहर काम करना असंभव हो जाता है। शारीरिक मेहनत की सीमा 31 डिग्री सेल्सियस है। एमआईटी सिमुलेशन में पाया गया है कि यदि फारस की खाड़ी में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की वर्तमान गति स्थिर रहती है, तब भी अबू धाबी, दुबई और दोहा जैसे शहरों में सदी के अंत तक तापमान साल में कई बार 35 डिग्री सेल्सियस को पार करेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 नगर पालिकाओं को 85 करोड़ रुपए आवंटित करने को दी मंजूरी

☐ धांगधा के मानसर तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए आवंटित किए जाएंगे 4.25 करोड़

☐ माणसा के चंद्रासर तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 4.87 करोड़ के कार्य किए जाएंगे

☐ कड़ी में निजी सोसायटी जन भागीदारी योजना के अंतर्गत 44.83 लाख रुपए के 9 कार्य मंजूर

☐ वडनगर में 5051 घरों को मुख्य सीवर लाइन कनेक्शन देने के लिए 3.53 करोड़ रुपए के कार्य किए जाएंगे

☐ बावळा नगर पालिका की भूमिगत सीवरेज योजना के लिए 71.80 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों में जनकल्याण के विभिन्न योजनाबद्ध कार्यों के माध्यम से ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन जीने की सुगमता बढ़ाने की मंशा के साथ पांच नगर पालिकाओं को 85 करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी दी है।

स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने धांगधा, माणसा, कड़ी, वडनगर और बावळा नगर पालिका में इन कार्यों को शुरू करने के लिए गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड (जीएमएफबी) और गुजरात शहरी विकास मिशन (जीयूडीएम) की ओर से प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों को अनुमति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में अनूठी पहचान घटक के कार्यों हेतु धांगधा नगर पालिका क्षेत्र के मानसर तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 4.25 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने माणसा नगर पालिका क्षेत्र के चंद्रासर तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 4.87 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वीकृति दी है।

इस रकम से 248 एकड़ क्षेत्र में फैले चंद्रासर तालाब के सौंदर्यीकरण के अंतर्गत पौधरोपण, पैदल पथ, बरसाती पानी के लिए इनलेट पाइप, उद्यान, लैंडस्केपिंग और तालाब नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कड़ी नगर पालिका को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत निजी सोसायटी जनभागीदारी घटक में 44.83 लाख रुपए के खर्च से 9 कार्यों को शुरू करने की मंजूरी दी है। तदअनुसार, आरसीसी रोड, पानी की लाइन और पेवर ब्लॉक के कार्यों से 458 परिवार लाभान्वित होंगे।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मेहसाणा जिले के वडनगर नगर पालिका क्षेत्र के 5051 घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के लिए 3 करोड 53 लाख 57 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत जन भागीदारी घटक के तहत मुख्य सीवर लाइन से नहीं जुड़े निजी सोसायटी के घरों को सीवर लाइन कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रति परिवार 7000 रुपए की सीमा में सहायता प्रदान की जाती है।

5051 घरों को सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए रीजनल म्युनिसिपल कमिश्नर, गांधीनगर की ओर से वडनगर नगर पालिका को 3.53 करोड़ रुपए की रकम सहायता के रूप में दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इन कार्यों के अलावा बावळा नगर पालिका की भूमिगत सीवर योजना के लिए 71.80 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बावळा नगर पालिका के गामतल क्षेत्र में स्थित मौजुदा भूमिगत लाइन लगभग 25 वर्ष पुरानी है। इतना ही नहीं, बावळा नगर पालिका को 10 जोन में विभाजित किया गया है। इससे पूर्व नगर पालिका में वर्ष 2015 में पूरी हुई भूमिगत सीवर योजना में गामतल की पुरानी सीवरेज व्यवस्था के कारण जोन 1 से 5 का समावेश नहीं हुआ था।

बावळा नगर पालिका में 26 किलोमीटर का सीवर नेटवर्क कार्यरत है। वर्तमान में 90,140 की आबादी में से 4,375 घरों को इस प्रस्तावित योजना के जरिए सीवर कनेक्शन का लाभ प्राप्त होगा।

सीवर योजना के कार्यों को मुख्यमंत्री द्वारा दी गई सैद्धांतिक स्वीकृति के परिणामस्वरूप वर्तमान भूमिगत ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ ही नए विकसित हुए क्षेत्रों का भी समावेश किया जाएगा।

इस प्रस्तावित भूमिगत सीवर योजना में सीवर कलेक्टिंग सिस्टम, मौजूदा ब्लॉकेज लाइन तथा पम्पिंग मशीनरी दूर करना, हाउस कनेक्शन, राइजिंग मेन, पम्पिंग स्टेशन तथा मशीनरी, रोड रिसरफेसिंग, कम्पाउंड वॉल तथा नए क्षेत्र जोन-डी में एसटीपी आदि के कार्य शुरू किए जाएंगे।

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा कोर समिति में फेरबदल, रूपाणी और पटेल शामिल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा की कोर समिति ने बड़ा फेरबदल किया गया हैं समिति में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और पूर्व शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा समेत वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया हैं गुजरात चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा पूरी तरह सक्रिय हो गई हैं बीते दिन दो मंत्रियों के विभाग वापस लिए जाने के बाद अब कोर समिति में फेरबदल किया गया हैं भाजपा की नई कोर समिति में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा के अलाव आरसी फलदु भारती शियाल और भरत बोधरा को शामिल किया गया हैं पहले कोर समिति में 12 सदस्य थें जिसमें प्रदेश प्रमुख सीआर पटील, हर्ष संघवी, जीतु वाघाणी, शंकर चौधरी, गणपत वसावा, रंजन भट्ट और 5 महासचिव शामिल थें अब इस कोर समिति 6 नए चेहरों को शामिल कर सदस्यों की संख्या 18 कर दी गई हैं ऐसा पहली बार हुआ जब कोर समिति के सदस्यों की बढ़ा गई हैं जिसमें जाति समीकरण और वरिष्ठता का खास ध्यान रखा गया हैं 18 सदस्यों की कोर समिति चुनाव तक कार्यरत रहेर्गी

गुजरात चुनाव से पहले सक्रिय हुए शंकरसिंह वाघेला, जल्द करेंगे नई पार्टी का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला फिर एक बार सक्रिय हो गए हैं वाघेला ने फिर एक बार नई पार्टी के साथ राजनीतिक में रि एन्ट्री का संकेत दिया हैं बता दें कि वर्ष 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में वाघेला ने 'जन विकल्प पार्टी' बनाकर मैदान में उतरे थें लेकिन वाघेला की पार्टी को कोई सफलता नहीं मिली थीं इस साल के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले शंकरसिंह वाघेला फिर एक बार सक्रिय हो सकते हैं और जल्द ही नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं जानकारी के मुताबिक वाघेला 'प्रजाशक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी' बनाकर आगामी चुनाव के मैदान में उतरेंगें पहले शंकरसिंह वाघेला के कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा थीं लेकिन अब उन्होंने नई पार्टी का गठन कर चुनाव लड़ने का फैसला किया हैं जानकारी है कि 3 सप्ताह पहले वाघेला ने अपने समर्थकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की थीं जिसमें वाघेला ने आगामी चुनाव को लेकर चर्चा की थीं बैठक के बाद वाघेला ने बोटाद जहरीली शराब कांड पर अपनी प्रतिक्रिया दी थीं साथ ही कहा था कि फिलहाल कांग्रेस में शामिल होने के बारे में दोस्तों के साथ बातचीत चल रही हैं उस वक्त वाघेला की शर्त थी कि अगर गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का कांग्रेस वादा करती है तो मैं उससे जुड़ सकता हूँ

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्री अहिल्याबाई होलकर के नाम पर किया वटवा वॉर्ड में निर्मित पार्टी प्लॉट का नामकरण

मुख्यमंत्री ने पार्टी प्लॉट में लोकमाता श्री अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का किया अनावरण

अहमदाबाद ,मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र में लोकमाता श्री अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का अनावरण हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार कर रहा है।

यह बात उन्होंने रविवार को अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) की ओर से वटवा वॉर्ड में बनाए गए पार्टी प्लॉट का 'श्री अहिल्याबाई होलकर ओपन पार्टी प्लॉट' नामकरण करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने लोकमाता श्री अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों को पांच संकल्प दिलाए थे। इसके अंतर्गत उन्होंने अपनी विरासत पर गर्व कर उसका जतन करने का भी आह्वान किया था और आज का यह अवसर इसी बात को उजागर करता है। इस तरह आज हम सभी को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का उत्तम उदाहरण देखने को मिल रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी कोई भी वर्ग या समाज किसी भी तरह की मुश्किल का सामना करता है, तब यह सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' मंत्र के साथ प्रत्येक समाज और हाशिये पर खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'टीम गुजरात' भी गुजरात के विकास को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य के सभी गांवों और शहरों को आत्मनिर्भर बनाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

गुजरात के विकास का जिक्र करते हुए श्री पटेल ने कहा कि आज गुजरात सभी क्षेत्रों में विकास की छलांग लगा रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में तो गत 20 वर्षों मं मजबूत नींव रखने में सफल रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप स्कूल ड्रॉप आउट की दर 37 फीसदी से घटकर 3 फीसदी हो गई है।

उन्होंने आगे कहा कि आज प्रत्येक वर्ग और समाज के लोग राज्य और देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। कंधे से कंधा मिलाकर देश और राज्य को आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात शांति और सुरक्षा के मामले में अग्रणी होने के कारण देश-दुनिया के निवेशक भी गुजरात में निवेश करने के लिए आ रहे हैं और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज के उपस्थित सभी लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने कहा कि लोकमाता श्री अहिल्याबाई होलकर सभी समाजों के लिए पूजनीय हैं। आज अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र में श्री अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति का अनावरण हम सभी के लिए गर्व की बात है।

श्री जाडेजा ने कहा कि आने वाले समय में यह स्थान ऊर्जा का केंद्र बनेगा। श्री अहिल्याबाई होलकर ने भारत की संस्कृति को जीवंत रखने का कार्य किया है।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा वटवा वॉर्ड में निर्मित पार्टी प्लॉट में लोकमाता श्री अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा स्थापित की गई है साथ ही इस पार्टी प्लॉट का नाम 'श्री अहिल्याबाई होलकर ओपन पार्टी प्लॉट' किया गया है।

श्री अहिल्याबाई होलकर की यह प्रतिमा 10 बाई 10 क्षेत्र में पांच फुट के फाउंडेशन पर स्थापित की गई है। इस प्रतिमा के निर्माण का लगभग 5 लाख रुपए का खर्च भी बघेल समाज सेवा संघ की ओर से किया गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय कानून राज्य मंत्री श्री एस.पी. सिंह बघेल, अहमदाबाद के महापौर श्री किरीटभाई परमार, सभी पार्षदगण तथा बघेल समाज के अग्रणी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं के समूह ने बनवाई 23 तोला सोने की चरण पादुका, अंबाजी के चरणों में करेंगे समर्पित

अहमदाबाद ,शहर में श्रद्धालुओं के एक समूह भोले ग्रुप ने 231 ग्राम यानी 23 तोला सोने से चरण पादुका बनवाई है और यह चरण पादुका आगामी 28 अगस्त को अंबाजी के चरणों में समर्पित की जाएर्गी उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिला स्थित अंबाजी शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक हैं फिलहाल अंबाजी में 181 ग्राम की चांदी की चरण पादुका के दर्शन होते हैं और अब आनेवाले दिनों में सोने से बनी चरण पादुका के श्रद्धालु दर्शन कर सकेंर्गे 28 अगस्त को सोने की चरण पादुका समर्पित किए जाने के बाद अंबाजी के गर्भगृह में अब उसे स्थापित किया जाएर्गा बता दें कि अंबाजी मंदिर में वर्षों से श्रद्धालु सोना-चांदी के आभूषण देवी माता के चरणों में समर्पित करते आए हैं जिसमें अब चरण पादुका भी अब शामिल हो जाएर्गी इस संदर्भ में अहमदाबाद के जय भोले ग्रुप के सदस्य दीपेश पटेल ने कहा कि हमारे ग्रुप ने देश के 1700 से ज्यादा मंदिरों में घड़ी लगाई गई हैं हम जब अंबाजी गए तो देखा कि पूरा मंदिर स्वर्ण से मढा जा चुक हैं अंबाजी का थाल, आभूषण इत्यदि सोने का हैं केवल चरण पादुका चांदी की थीं जिसके बाद हमें चरण पादुका के स्थान पर सोने की चरण पादुका अंबाजी के चरणों में अर्पण करने का विचार आर्या इस संदर्भ में हमने कलेक्टर से मुलाकात की और उनके समक्ष अपने विचार रखे और उनसे मंजूरी प्राप्त कीं आगामी 28 अगस्त को हम अंबाजी के चरणों में 23 तोला सोने से बनी चरण पादुका अर्पण करेंर्गे इसी के साथ 52 गज की ध्वजा, श्रीयंत्र और सभी शक्ति पीठों का वर्णन करती आरती भी लोंच की जाएर्गी

घटनास्थल पर ही दो दोस्तों की मौत हुई

अहमदाबाद के ब्रिज पर से ३० फीट नीचे कार गिरी

अहमदाबाद, २१ अगस्त।

शहर में अक्सर भीषण दुर्घटना के समाचार सामने आते है। तब फिर से एक ब्रिज पर से कार नीचे गिरने पर घटनास्थल पर ही दो दोस्तों की मौत हुई । इस मामले में पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है । यह कार किस तरीके से नीचे गिरी इस मामले में आगे की जांच चल रही है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, कार में जा रहे जीवराज पार्क के निवासी संदीप शाह(उम्र.३५)और सरखेज के निवासी वसावा के (उम्र.२८) मौत हुई है। शनिवार की रात को ११ बजे के करीब एसजी हाइवे पर उजाला ब्रिज पर से दोनों दोस्त इनोवा कार लेकर जा रहे थे । इस दौरान इनोवा कार दो बार पलट गई थी । जिसकी वजह से कार ब्रिज पर से नीचे गिर गई थी । पुलिस के बताये अनुसार, यह दोनों दोस्त थे । संदीप कॉन्टैक्ट पर किराये से इनोवा चलाता था । यह कार किस तरीके से पलट गई यह अभी सामने नहीं आया है । यह दोनों दोस्त कहां जाकर आये थे और कहां जा रहे थे यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है । ट्रैफिक एम डीविजन पुलिस ने मृतक संदीप शाह के खिलाफ अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है । इसके पहले मई महीने के अंत में भी ऐसी ही भीषण दुर्घटना हुई थी । जिसमें दंपत्ति की मौत हुई थी । शहर में बेकाबू कार ने टू-व्हीलर को चपेट में लेने पर एक दंपत्ति की मौत हुई थी । शहर के सोला भागवत पुल पर बेकाबू कार ने टू व्हीलर को चपेट में ले लिया था । टू व्हीलर को पीछे से टक्कर लगने पर वाहन पर सवार दंपत्ति पुल पर से नीचे गिर गये थे । इस भीषण दुर्घटना में पति-पत्नी की मौत हुई थी । अब तो दुर्घटना के बाद कार चालक कार छोड़कर फरार हो गया था । अहमदाबाद में १८ अगस्त की रात को भी दुर्घटना में युवक की मौत हुई थी । अहमदाबाद में विशाला होटल के केशियर के तौर पर काम करता एक युवक को ओडी कार चालक ने चपेट में लिया था ।

कल्याण योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सुदूरवर्ती मानव को भी विकास की मुख्य धारा में लाने की प्रतिबद्धता है :मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में आयोजित समग्र गुजरात के रावळयोगी समाज के स्नेहमिलन समारोह में कहा कि सुदूरवर्ती मानव को भी विकास की मुख्य धारा में लाने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रत्येक कल्याण योजना बनाई है। पटेल ने कहा,''प्रधानमंत्री ने सबके साथ, सबके विकास, सबके विश्वास एवं सबके प्रयास से विकास की सुदृढ़ नींव डाली है। इसे टीम गुजरात के रूप में हम आगे बढ़ा रहे हैं और छोटे से छोटे व्यक्ति को होने वाली कठिनाइयाँ दूर करने के संकल्प के साथ कार्यरत् हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की राजनीति का जो नया युग आरंभ किया है, उसके फलस्वरूप समाज के सभी वर्ग किसी प्रलोभन या लालच में खिंचने के स्थान पर नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रत्येक क्षेत्र में विकास के लिए प्रतिबद्ध हुए हैं। मुख्यमंत्री ने धरातल से जुड़े रावळयोगी समाज से अपने परम्परागत व्यवसायों के साथ अपनी संतानों को शिक्षा के माध्यम से विकास के मार्ग पर कॅरियर बनाने की अपील करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ज़रूरतमंदों के साथ खड़ी रहने को तत्पर है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि रावळयोगी समाज की संतानों को शिक्षा प्राप्ति में आवश्यक सुविधाएँ देने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया,''समाज द्वारा किए गए प्रस्तावों-प्रस्तुतियों के विषय में हम उचित विचार करेंगे।'' उन्होंने कहा,''गुजरात का वित्तीय प्रबंधन पूरे देश में नंबर वन है। इतना ही नहीं, हमने किसी भी योजना में निर्धन-वंचित तथा छोटे से छोटे व्यक्ति की कल्याण योजना में धनाभाव की बाधा न आने देने का सुदृढ़ आयोजन भी किया है और इस वर्ष 2 लाख 45 हज़ार करोड़ रुपए का भारी बजट गुजरात के विकास के लिए आवंटित किया है।'' पटेल ने रावळयोगी समाज के सभी अग्रणियों व राज्य के विभिन्न ज़िलों में स्थित इस समाज के लोगों से यह भी कहा कि सरकार ने साधारण मानव को अधिक सरलता देने के लिए आय प्रमाणपत्र की समयावधि तीन वर्ष करने, जहाँ वैधानिक अनिवार्यता न हो;वहाँ शपथपत्र (एफ़िडेविट) की प्रथा दूर करने जैसे निर्णय किए गए हैं। इस अवसर पर बख़्शी पंच (अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग) मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष उदय कानगड ने कहा कि भूपेंद्र पटेल ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के संकल्प के साथ मृदु; परंतु दृढ़ निर्णयकर्ता मुख्यमंत्री के रूप में लोगों में विशिष्ट लोकप्रियता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि रावळयोगी समाज अपने पीढ़ी-दर-पीढ़ी से चले आ रहे व्यवसायों के साथ अब विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने को प्रतिबद्ध हुआ है। यह बात समाज के लोगों की इतनी विशाल संख्या में उपस्थिति से दिखाई दे रही है। उन्होंने इसके लिए समाज को अभिनंदन दिया।

पूर्व विधायक महेन्द्रसिंह बारैया का कांग्रेस से इस्तीफा, आज जॉइन करेंगे भाजपा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं कांग्रेस से नाराज चल रहे एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं गुजरात कांग्रेस के कई दिग्गज नेता और पूर्व विधायक व सांसद पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा या आम आदमी पार्टी जॉइन कर चुके हैं इसी कड़ी में कांग्रेस के एक और पूर्व विधायक महेन्द्रसिंह बारैया ने पार्टी इस्तीफा दे दिया हैं उत्तर गुजरात के क्षत्रिय ठाकोर समाज के नेता और प्रांतिज के पूर्व विधायक महेन्द्रसिंह बारैया ने अपना इस्तीफा कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी को भेज दिया हैं साथ ही गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर और गुजरात प्रभारी रघु शर्मा को भी महेन्द्रसिंह ने अपना इस्तीफा भेजा हैं सोमवार को महेन्द्रसिंह बारैया भाजपा जॉइन करेंर्गे इससे पहले महेन्द्रसिंह बारैया बड़ी संख्या में प्रांतिज के तलोद से विशाल रैली के साथ गांधीनगर पहुंचेंर्गे जहां गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में पार्टी प्रमुख सीआर पाटील की उपस्थिति में भगवा धारण करेंर्गे महेन्द्रसिंह बारैया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली से प्रभावित होकर मैंने भाजपा जॉइन करने का फैसला किया हैं भाजपा मुझे बतौर कार्यकर्ता जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी उसे पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करूर्गा

अल्टीमेट खो खो : ओडिशा जगरनॉट्स ने राजस्थान वॉरियर्स को 19 अंक से हराया

पुणे, 19 अगस्त, 2022। ओडिशा जगरनाट्स ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर शुक्रवार को पुणे, महालुंगे स्थित श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए अल्टीमेट खो खो सीजन-1 के अपने तीसरे मैच में राजस्थान वॉरियर्स को 19 अंक से हरा दिया। यह इस सीजन में राजस्थान की लगातार तीसरी हार है जबकि ओडिशा जगरनाट्स को तीन मैचों में दूसरी जीत मिली है।

ओडिशा जगरनॉट्स ने इस मैच में राजस्थान वारियर्स 65-46 के स्कोर से हराया। राजस्थान ने पहली पारी के पहले टर्न की समाप्ति तक 20-2 की लीड ले रखी थी लेकिन ओडिशा जगरनॉट्स ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे टर्न में 32 अंक बटोर लिए। इस तरह उसने पहली पारी समाप्ति तक 34-20 की लीड ले ली थी।

दूसरी पारी में राजस्थान की टीम पहले टर्न में 24 अंक ही बटोर सकी जबकि इस टर्न में ओडिशा ने चार बोनस भी हासिल किए। दूसरे टर्न में हालांकि राजस्थान ने दो बोनस हासिल किए लेकिन अटैक में 27 अंक लेते हुए ओडिशा जगरनॉट्स ने अपनी जीत पक्की कर ली।

राजस्थान के लिए कप्तान मजहर जमादार ने सबसे अधिक 23 अंक हासिल किए। इस सीजन में अंकों का अर्धशतक लगा चुके मजहर ने नौ खिलाड़ियों को आउट किया। उन्होंने चार बेहतरीन स्काई डाइव के साथ कुल 12 अंक बटोरे लेकिन ओडिशा के खिलाड़ियों ने सुभाशीष सांत्रा (14 अंक) के नेतृत्व में हरफनमौला प्रदर्शन कर मजहर की मेहनत पर पानी फेर किया। ओडिशा की ओर से आदित्य कुंडाले ने भी 8 अंक बटोरे। राजस्थान के लिए मजहर के अलावा ऋषिकेश मुरचावड़े ने 10 अंक जुटाए।

जेतपुर-सोमनाथ हाइवे पर जगह-जगह गड्ढे हो गये

प्रशासन का काम पुलिस ने करके बताया, हाइवे पर हुए गड्ढे को भर दिया

वंथली, २१ अगस्त।

राज्य में जगह जगह बारिश ने हद कर दी है। अच्छी हुई बारिश के बाद राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति देखने को मिली थी । तब जूनागढ़ में भी बारिश ने हद कर दी है । इस दौरान जूनागढ़ के रास्ते भी खराब हो गये । अभी तक जेतपुर-सोमनाथ नेशनल हाइवे पर काम पूरा नहीं हुआ है और कई जगह पर गड्ढे देखने को मिल रहे है। जिसकी वजह से वाहनचालकों को वाहन चलाते समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ा । आखिर में वाहनचालकों का दर्द ट्रैफिक पुलिस ने समझा । जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने बारिश बाद रास्ते पर हुए गड्ढे भरने का काम किया था । कॉर्पोरेशन का काम ट्रैफिक पुलिस ने करके बताया । यह दृश्य देखकर वहां से जा रहे वाहनचालकों ने भी ट्रैफिक पुलिस के कामकाज की प्रशंसा की । जेतपुर-सोमनाथ नेशनल हाइवे पर ट्रैफिक पुलिस ने अच्छा काम करके बताया । यहां पिछले पांच वर्ष से नेशनल हाइवे का काम चल रहा है । अभी भी यह काम पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ है । यहां एक तरफ काम पूरा नहीं हुआ है और दूसरी तरफ बारिश की वजह से रास्ते खराब हुए है । जगह जगह रास्ते पर इतने गड्ढे हो गये है कि वाहन चलाते समय कमर के हिस्से में झटका लग सकता है । हर पांच या १० मीटर की दूरी पर ऐसी स्थिति होने का वाहनचालक बता रहे हैं । अब वाहनचालकों को परेशानी नहीं हो इसलिए ट्रैफिक पुलिस ने बहुत काम किया था । ट्रैफिक पुलिस ने रास्ते पर हुए गड्ढे को भर दिया । जगह जगह हुए गड्ढे में मिट्टी डाल दी और इसे भरने का प्रयास किया था । पुलिस के इस कामकाज देखकर वहां से जा रहे वाहनचालक भी उनके कामकाज की प्रशंसा कर रहे है । यहां से जा रहे वाहनचालकों का कहना है कि, यहां रास्ता बहुत ही खराब है। पिछले पांच वर्ष से यह हाइवे का काम चल रहा है। दूसरी तरफ, जबकि यह हाइवे पर से जाए तो टोलबूथ भी आता है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से युवक की गिरफ्तारी

युवक नकली टिकट के साथ पकड़ा गया जो विदेश जाने की फिराक में था

यह युवक ने किस तरीके से नकली टिकट की डिजाइन तैयार की थी

अहमदाबाद, २१ अगस्त।

नकली पासपोर्ट, नकली दस्तावेज और गलत पहचान बनाकर विदेश जाने का प्रयास करने वाले कई लोग अहमदाबाद सहित देश के अलग अलग एयरपोर्ट पर से पकड़े जाते हैं । विदेश जाने की इच्छा में गलत कदम उठाये जाते होने के कई मामले बनते है, लेकिन इस बार अहमदाबाद एयरपोर्ट पर से एक युवक नकली टिकट के साथ विदेश जाने का प्रयास करते पकड़ा गया है। युवक की गिरफ्तारी होने के बाद उसने किस तरीके से टिकट बनाई और इसका प्लान क्या था इसका खुलासा हुआ है । मिली जानकारी के अनुसार क्रिष्ना विजयभाई पटेल ने कतर एयरलाइंस की टिकट बनाकर दोहा जाने का प्लान बनाया था, जबकि उसने टिकट विंडो पर टिकट बताई तब ही इसके खिलाफ आशंका हुई थी और जांच करने पर उसने नकली टिकट बनाने का मालूम हुआ था, इसके बाद क्रिष्ना के खिलाफ कार्रवाई करके इसकी एयरपोर्ट पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की गई है । पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी करके आगे की जांच शुरू कर दी है । इस मामले में पुलिस ने बताया है कि, बोडेली तहसील के क्रिष्ना पटेल ने कतर एयरलाइंस की नकली टिकट बनाई थी और जबकि इसने काउंटर पर बताया तब टिकट गलत होने का मालूम हुआ था, जिसके बाद इस मामले में सीआईएसएफ को जानकारी दी गई और सीआईएसएफ द्वारा पुलिस को जानकारी दी गई थी । क्रिष्ना के खिलाफ आईपीसी की ४६५ सहित की धाराओं के आधार पर शिकायत दर्ज की गई है। जांच में यह भी जानकारी सामने आ रही है कि क्रिष्ना ने दोहा जाने की कतर एयरलाइंस की टिकट लेपटॉप में डिजाइन की थी । आरोपी ने पहले इस तरीके से विदेश यात्रा की है क्या इस मामले में भी पुलिस द्वारा जांच की जाएगी । आरोपी ने यह टिकट की डिजाइन करने के लिए किसकी मदद ली थी यह सहित की जांच की जा रही है । यह युवक ने जिस लैपटॉप पर टिकट की डिजाइन की थी इसकी भी और जांच की जाएगी ।

पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति ने चोरी के आरोपी को पीटा

अरवल्ली, २१ अगस्त।

अरवल्ली जिले के बायड पुलिस स्टेशन में एक चौंकानेवाली घटना सामने आई है । यहां पुलिस स्टेशन में कथित चोर को पीटने का विडियो वायरल हुआ है। बाइक चोरी के आरोप में यह कथित चोर को जबकि पुलिस द्वारा पुलिस स्टेशन में ले जाया गया था, इसके बाद वहां एक व्यक्ति बाहर से पहुंचता है और यह कथित आरोपियों को पीटता है। सोशल मीडिया में विडियो वायरल होने के बाद पुलिस कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल हुआ विडियो बायड के सांठवा पुलिस स्टेशन का है। वायरल विडियो के अनुसार बाइक चोरी के कथित चोर को पुलिस स्टेशन में ले जाया जाता है । तब वहां एक निजी व्यक्ति आता है और यह कथित आरोपियों को पीटता है । लेकिन जबकि कोई व्यक्ति को पुलिस स्टेशन में ले जाते है तो तब बाहर के अज्ञात व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाता है। लेकिन यहां एक व्यक्ति पुलिस स्टेशन में पहुंचता है और तब यहां पुलिस के कर्मचारी भी मौजूद होते है । यह पुलिस कर्मचारियों की मौजूदगी में यह व्यक्ति कथित चोर को पीटता है। यह विडियो वायरल होने के बाद पुलिस के कामकाज पर भी सवाल उठ रहे हैं । यहां ही कथित चोर को पीटने पर कानून का भंग हुआ है । यह व्यक्ति कथित चोर को पीटकर बाहर भी निकल जाता है। लेकिन पुलिस कुछ नहीं करती है ।

अहमदाबाद अरोड़ा खत्री समाज का वार्षिक समारोह संपन्न

अहमदाबाद अरोड़ा खत्री समाज का 21 अगस्त 2022 को पश्चिम रेलवे सामुदायिक भवन साबरमती में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया ।

अहमदाबाद में अरोड़ा समाज के 85 परिवारों के लगभग 400 लोग शामिल हुए जिसमें समाज के 75 बच्चों को जिन्होंने स्कूल व कॉलेजों में गत वर्ष उच्च अंक प्राप्त किये, शिक्षा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक समारोह में रंगारंग प्रस्तुतियां भी दी गई। अध्यक्ष अहमदाबाद अरोड़ा खत्री समाज श्री मुकेश अरोड़ा और श्रीमती नीलम अभिषेक लखानी ने इस समारोह के मुख्य एंकर के रूप में सफल संचालन किया। इस अवसर पर समाज के आने वाले वर्षों में विकास व गतिविधियों पर गंभीर चर्चा की गई। विगत 3 वर्षो से कोरोना काल के कारण इस समारोह का आयोजन नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार के सफल आयोजन से समाज के सभी जन अति प्रसन्न हुए सभी को एक दूसरे से मिलने व जानने का अवसर मिला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ सुरेंद्र पोपा(अध्यक्ष राजस्थानी अरोड़ा खत्री सर्वोच्च समिति), विशिष्ट अतिथि डॉ अनिल बत्रा (महामंत्री राजस्थानी अरोड़ा खत्री सर्वोच्च समिति), श्री विजय राज आडवाणी और श्री बाल योगी विष्णु जी अरोड़ा (कथावाचक) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और समाज की प्रगति हेतु मार्गदर्शन किया। अहमदाबाद अरोड़ा समाज के अध्यक्ष श्री मुकेश अरोड़ा एवं मंत्री श्री अनिल अरोड़ा ने प्रति वर्ष 2 नये कार्यों की घोषणा की एवं सभी लोगों के प्रति सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

गुजरात दौरे के दौरान अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी पर संभावित हमले को लेकर आम आदमी पार्टी ने राज्य के DGP को आवेदन पत्र सौंपा

'आप' गुजरात चुनाव प्रभारी गुलाब सिंह यादव और एडवोकेट विंग के अध्यक्ष प्रणव ठक्कर समेत 50 वकीलों ने आज गांधीनगर में गुजरात राज्य के ૩ઉइ को आवेदन पत्र सौंपा।

आम आदमी पार्टी को अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के लिए गुजरात पुलिस विभाग पर पूरा भरोसा हैः आप

अहमदाबाद

कल 22 अगस्त को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी के नेताओं को सूचना मिली है कि उन पर हमला हो सकता है। यह बहुत ही गंभीर मामला है। अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी की सुरक्षा के मुद्दे पर, आम आदमी पार्टी के गुजरात चुनाव प्रभारी गुलाब सिंह यादव और एडवोकेट विंग के अध्यक्ष प्रणव ठक्कर ने 50 वकीलों के साथ आज गुजरात राज्य के ૩ઉइ को गांधीनगर में एक आवेदन पत्र दिया।

इस गंभीर मामले में आम आदमी पार्टी ने गुजरात पुलिस से मांग की है कि अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी को उनके गुजरात दौरे के दौरान कड़ी की सुरक्षा दी जाए। आम आदमी पार्टी को गुजरात पुलिस विभाग पर पूरा भरोसा है कि वे अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करेंगे और उनके गुजरात दौरे की सफलता में अहम योगदान देंगे।

अरविंद केजरीवाल जी और मनीष सिसोदिया जी 22-23 अगस्त को अहमदाबाद, हिम्मतनगर और भावनगर शहर का दौरा करेंगे। तो इसी वजह से आम आदमी पार्टी ने अहमदाबाद शहर के पुलिस कमिश्नर, हिम्मतनगर के SP और भावनगर के SP को मिलकर आवेदन पत्र दिया है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95